www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 13 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
04 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:55
सूर्यास्तः 06:24
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 21°00

» पेज 07

विशेष समाचार | अमीर अधिकारियों वाला... »पेज 04 | पत्नी ने सुपारी देकर कराई ... »पेज 06 | 1500 करोड़ कमाने ...

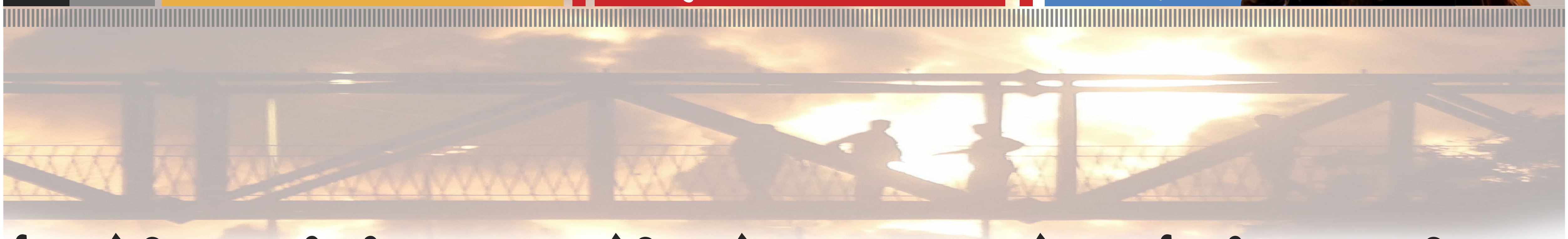

ईरान ने लिस्ट जारी की, इजराइल-अमेरिका ने कल 3800 करोड़ का ईरानी पुल तबाह किया था

ईरान की मिडिल ईस्ट में 8 ब्रिज उड़ाने की धमकी

धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी । ईरान ने मिडिल ईस्ट के 8 बड़े पुलों की लिस्ट जारी कर उन्हें तबाह करने की धमकी दी है। ईरान इन पुलों को रणनीतिक तौर पर अहम मानता है, क्योंकि ये कई देशों की कनेक्टिविटी और ट्रांसपोर्ट के लिए बेहद जरूरी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की लिस्ट में कुवैत, UAE, सऊदी अरब और जॉर्डन के कई महत्वपूर्ण पुल शामिल हैं। इनमें शेख जाबेर अल-अहमद समुद्री पुल (कुवैत), शेख जायद ब्रिज, अल मकता ब्रिज, शेख खलीफा ब्रिज (UAE), किंग फहद कॉजवे (सऊदी अरब-बहरीन) और जॉर्डन के किंग हुसैन, डामिया और अबदून ब्रिज शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका और इजराइल ने ईरान के करज शहर में B1 ब्रिज पर दो बार हमला किया था।

» (शेष पेज 06 पर)

'हम अकेले जिसने होर्मुज में नाविक खोए'

ब्रिटेन की पहल पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए गुरुवार को एक ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हुए। बैठक में विक्रम मिसरी ने कहा कि होर्मुज संकट में अब तक सिर्फ भारत के ही नागरिक मारे गए हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

समुद्री रास्ते पर भी हलचल

इन सबके बीच एक और बड़ी खबर आई कि फ्रांस के मालिकाना हक वाला एक मालवाहक जहाज होर्मुज से होकर सुरक्षित गुजर गया। इस्राइल और अमेरिका के साथ युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने इस समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है।

ट्रम्प बोले- थोड़ा और समय मिले तो होर्मुज खोल दूंगा तेल पर कब्जा कर खूब मुनाफा कमाएंगे, यह पूरी दुनिया के लिए अच्छा होगा

बी1 ब्रिज पर अमेरिकी हमला

अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की राजधानी तेहरान को पड़ोसी शहर करज से जोड़ने वाले 'B1 ब्रिज' पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका का कहना है कि यह हमला ईरान के हथियारों की आवाजाही वाले रास्ते को तोड़ने के मकसद से किया गया था।

पायलटों के लिए यूएस का बचाव अभियान शुरू तेहरान बोला- जिंदा खोजो, इनाम देंगे

ईरान ने मार गिराया अमेरिकी विमान

तेहरान । पश्चिम एशिया में चल रही जंग अब बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। खबर है कि ईरान की सीमा के भीतर अमेरिका के एक लड़ाकू विमान को निशाना बनाया गया है। इस घटना के बाद अमेरिकी सेना ने अपने लापता पायलटों और चालक दल को बचाने के लिए एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। युद्ध की शुरुआत के बाद यह पहला मौका है जब ईरान के भीरत किसी अमेरिकी जेट के गिरने की पुष्टि हुई है। ईरानी मीडिया दावा कर रहा है कि उनकी रिवोल्यूशनरी गाड्र्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका के दो लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। ईरान का दावा है कि विमान का पायलट दक्षिण-पश्चिमी ईरान में पैराशूट के जरिए सुरक्षित कूद गया था, जिसे अब बंधक बना लिया गया है।

इनाम की घोषणा

हैरान करने वाली बात यह है कि ईरान के सरकारी चैनल पर एंकर ने लाइव जनता से अपील करते हुए कहा कि जो कोई भी दुश्मन के पायलट को जिंदा पकड़कर पुलिस के हवाले करेगा, उसे एक बहुत कीमती इनाम दिया जाएगा। दरअसल, सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं जिनमें कथित तौर पर अमेरिकी विमानों को इलाके में उड़ते देखा गया है। इसके अलावा ईरान की मेहर न्यूज़ एजेंसी ने यह भी दावा किया कि मध्य तेहरान में अमेरिका का एक और अत्याधुनिक F-35 लड़ाकू विमान मार गिराया गया है। हालांकि अमेरिका की तरफ से अभी तक सिर्फ एक विमान के क्रैश होने और ऑपरेशन चलने की बात कही गई है।

ईरान युद्ध में 24 घंटे में 148 लोग अस्पताल पहुंचे, कुल आंकड़ा 6500 पार

युद्ध के बीच तेल की कीमतों में उछाल, ब्रेंट क्रूड 109 डॉलर प्रति बैरल के पार

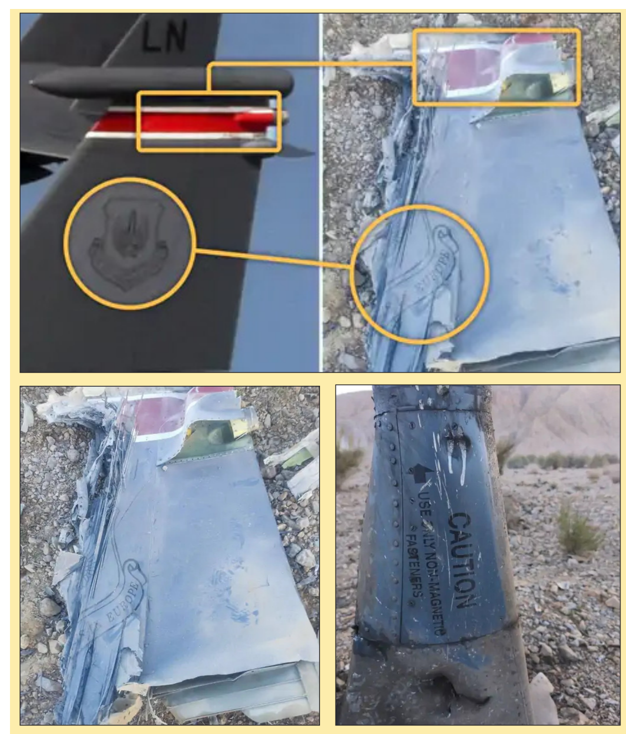

ईरान ने एफ-35 विमान के मलबे की तस्वीर जारी की

ईरान ने एक विमान के कुछ टुकड़ों की तस्वीर जारी की हैं। ईरान का दावा है कि यह मलबा अमेरिकी F-35 विमान का है, जिसे उसने आज गिराया है।

हिजबुल्लाह ने 24 घंटे में इजराइल पर 200 रॉकेट दागे

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिजबुल्लाह ने पिछले 24 घंटे में इजराइल पर करीब 200 रॉकेट दागे हैं। इजराइली सेना अब बॉर्डर के पास 3 किमी तक के इलाकों को खाली करवाने की योजना बना रही है, ताकि खतरा कम किया जा सके। हालांकि सेना मान रही है कि हिजबुल्लाह को पूरी तरह खत्म करना अभी संभव नहीं है और शायद पहले उसकी ताकत को कम करके आंका गया था।

» (शेष पेज 06 पर)

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ईरान में हेल्थ फैसिलिटी पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर गंभीर चिंता जताई है। डब्ल्यू एच ओ के मुताबिक, 1 मार्च के बाद से ईरान में स्वास्थ्य सुविधाओं पर 20 से ज्यादा हमलों की पुष्टि हुई है, जिनमें कम से कम 9 लोगों की मौत हो चुकी है। डब्ल्यू एच ओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि हमलों से ईरान की हेल्थ सर्विस गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं। तेहरान का पाश्चर इंस्टीट्यूट समेत कई अस्पताल और मेडिकल यूनिट क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

फास्ट न्यूज

जहरीली शराब से 5 की मौत

मोतिहारी । बिहार में एकबार फिर जहरीली शराब से मौत हुई है। मोतिहारी में 5 लोगों की जान चली गई, जबकि 15 की हालत गंभीर है। इनमें से 6 की आंखों की रोशनी चली गई है।

सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बीमार लोगों में से 2 की हालत नाजुक बनी हुई है।

आरोप | शिकंजा

पश्चिम बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी अरेस्ट

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मालदा में SIR से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु भागने की फिराक में था। इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में AIMIM का उम्मीदवार रह चुका है। मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को SIR में नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया।

राजस्थान के रेगिस्तान में ओले गिरे, 7 जिलों में बारिश

भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ/ शिमला । देशभर में गर्मी की शुरुआत के बाद मौसम ने फिर करवट ली। राजस्थान के रेगिस्तानी जिलों जैसलमेर और बीकानेर में शुक्रवार को ओले गिरे। जयपुर समेत सात जिलों में बारिश हुई। चूरू में धूल भरी आंधी चली। पंजाब के साथ चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में भी मौसम बदला।

'खामोश कराया, हारा नहीं'

राघव चड्ढा का जवाब, आप बोली- कोई मोदी से डर जाए तो क्या लड़ेगा

पलटवार

तमसा संकेत, एजेंसी

चंडीगढ़ । आम आदमी पार्टी (AAP) सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में उपनेता पद से हटाए जाने को लेकर शुक्रवार को पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किए वीडियो में कहा- मुझे खामोश करवाया गया है, लेकिन मैं हारा नहीं हूं। आम आदमी को ये मेरा संदेश है। राघव ने कहा कि मैंने पब्लिक के मुद्दे उठाए, इससे AAP को क्या नुकसान हुआ? उन्होंने AAP को चेतावनी दी कि आवाज खामोश कराने वालों के सामने मैं सैलाब बनकर आऊंगा। हालांकि, राघव ने न तो पार्टी के किसी नेता का नाम लिया और न ही पार्टी छोड़ने या आगे की रणनीति को लेकर कुछ कहा। इसके बाद उन्होंने सदन में उठाए गए नेशनल मुद्दों को लेकर भी वीडियो शेयर किया। उधर, AAP के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुराग ढांडा ने कहा कि राघव सदन में पार्टी के मुद्दे उठाने के बजाय एयरपोर्ट की कैंटीन में समोसे सस्ते करवाने की बात करते थे।

» (शेष पेज 06 पर)

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राघव चड्ढा को कंप्रोमाइज्ड करार देते हुए कहा कि अगर कोई पार्टी लाइन के खिलाफ जाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है।

2 अप्रैल को उपनेता पद से हटाया

AAP ने गुरुवार को चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया था। पंजाब से ही राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को उनकी जगह दे दी। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर जानकारी दी थी। लेटर में कहा कि चड्ढा को सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई।

योगी बोले-दंगाइयों की संपत्ति गरीबों में बांट देते हैं, असम में पहली रैली

'हमारे यहां सड़कों पर कोई नमाज नहीं पढ़ सकता'

प्रचार

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । 'हम कहते थे कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। कांग्रेस ने कहा कि राम तो हुए ही नहीं। कांग्रेस के सहयोगियों ने राम के अस्तित्व को नकारने का काम किया। लेकिन, भाजपा की डबल इंजन की सरकार में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया। अब यूपी में कर्फ्यू नहीं लगता। नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा। सड़क पर कोई नमाज नहीं पढ़ सकता है। किसी धर्म से चिल्लाने की आवाज नहीं आती है। अगर किसी ने दंगा करने का दुस्साहस किया तो उसकी संपत्ति जब्त कर गरीबों और दलितों में बांट दी जाती है।' ये बातें सीएम योगी ने असम में विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान शुक्रवार को कहीं। वे बरपेटा विधानसभा सीट पर एनडीए के उम्मीदवार दीपक कुमार दास के समर्थन में रैली करने पहुंचे थे। सीएम ने कहा कि कांग्रेस और यूडीएफ ने असम की संस्कृति के साथ खिलवाड़ किया।

» (शेष पेज 06 पर)

योगी ने कहा- मैं यूपी से विशेष रूप से आया हूं कि यह कहने के लिए, यूपी में नौ साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। दंगा मुक्त, कर्फ्यू मुक्त, माफिया मुक्त यूपी है, विकास कार्य धड़ल्ले से हो रहा है।

'कांग्रेस के सहयोगियों ने राम के अस्तित्व को नकारने का काम किया'

योगी ने कहा- डबल इंजन की सरकार विरासत का सम्मान करती है। यह केवल डबल इंजन सरकार ही कर सकती है। जहां-जहां भाजपा सरकार है, वहां काम कर के दिखाया है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि के लिए आंदोलन चलता था, असम से भी लोग आते थे। हम कहते थे कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। कांग्रेस कहती थी कि राम तो हुए ही नहीं। कांग्रेस के सहयोगियों ने राम के अस्तित्व को नकारने का काम किया है। लेकिन, भाजपा की डबल इंजन की सरकार में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया है।

शिकंजा : सरगना मेरठ का नाई ■ पाकिस्तान ने धमाके का टारगेट दिया था

राजधानी में विस्फोट करने आए चार आतंकी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । पी एटीएस ने गुरुवार को लखनऊ से 4 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इसका खुलासा आज, शुक्रवार को किया। एटीएस के अनुसार, आतंकी पाकिस्तान के हैंडलर्स के कहने पर भारत में आगजनी और दहशत फैलाने की साजिश रच रहे थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए विदेशी नंबरों से जुड़े थे। लखनऊ समेत देश के प्रतिष्ठित संस्थानों, रेलवे स्टेशनों और गाड़ियों में विस्फोट करने की फिराक में थे। आतंकियों की पहचान साकिब उर्फ डेविल, विकास गहलावत उर्फ रौनक, लोकेश उर्फ बाबू, उर्फ पपला पंडित और अरबाब के रूप में हुई है। साकिब इस गिरोह का सरगना है। इनके पास से केमिकल से भरा कैन, 7 मोबाइल, 24 पंपलेट और आधार कार्ड बरामद हुए हैं। बरामद मोबाइल फोन से कई अहम डिजिटल सबूत मिले हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

साकिब उर्फ डेविल | अरबाब | लोकेश उर्फ बाबू | विकाश गहलावत

- **साकिब ने अपने गांव के ही अरबाब को इस नेटवर्क में शामिल किया। इसके बाद उसने सोशल मीडिया के जरिए गौतमबुद्ध नगर के रहने वाले विकास गहलावत उर्फ रौनक और लोकेश को भी गिरोह से जोड़ा।**
- **ये सभी आरोपी पैसों के लालच और कट्टरपंथी प्रभाव में आकर इस नेटवर्क का हिस्सा बने। अलग-अलग जगहों पर रेकी और अन्य गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे।**

लखनऊ रेलवे स्टेशन पर धमाका करने की थी प्लानिंग

एटीएस के मुताबिक, गिरोह ने लखनऊ रेलवे स्टेशन के पास रेलवे सिग्नल बॉक्स और अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की योजना बनाई थी। उनका मकसद 2 अप्रैल को बड़ा विस्फोट और बड़ी जनहानि करना था, जिससे दहशत फैल सके। हालांकि, एटीएस को पहले ही इसकी सूचना मिल गई और टीम ने समय रहते कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पाकिस्तान और विदेशी नेटवर्क से जुड़ा था गिरोह

एटीएस जांच में सामने आया कि गिरोह का मुख्य आरोपी साकिब उर्फ डेविल मेरठ के अगवानपुर गांव का रहने वाला है। वह नाई का काम करता था। सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के हैंडलर्स के संपर्क में आ गया। टेलीग्राम, इंस्टाग्राम और सिग्नल जैसे प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से वह पाकिस्तानी नेटवर्क, कट्टरपंथी समूहों और अफगानिस्तान के कुछ संदिग्ध नंबरों से जुड़ा।

» (शेष पेज 06 पर)

भारत को मिली तीसरी परमाणु सबमरीन

आईएनएस अरिदमन नौसेना में शामिल

मजबूती

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना में शुक्रवार को तीसरी परमाणु सबमरीन INS अरिदमन कमीशन की गई। इससे पहले INS अरिहंत (2016) और INS अरिघात (अगस्त 2024) को नौसेना में शामिल किया जा चुका है। अरिदमन को कई महीनों के ट्रायल के बाद केरल स्थित नौसैनिक अड्डे पर नौसेना को सौंपा गया।

INS अरिदमन को विशाखापट्टनम के शिप बिल्डिंग सेंटर (SBC) में तैयार किया गया है। इससे न्यूक्लियर ट्रायड क्षमता और मजबूत हुई है। यह देश के गोपनीय न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन कार्यक्रम SSBN का हिस्सा है। इस कैटेगरी की सबमरीन परमाणु हथियार ले जाने और लंबे समय तक समुद्र में तैनात रहने में सक्षम होती हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

न्यूक्लियर ट्रायड को मिली मजबूती

अखिलेश बोले भाजपा संविधान से नहीं, मन-विधान से चलने वाली पार्टी, हम गांव-गांव मनाएंगे अंबेडकर जयंती

ये अमृतकाल नहीं सनातनियों का संकटकाल है : अखिलेश

चर्चा

तमन्ना

- अखिलेश ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में लोहिया वाहिनी और छात्रसभा, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड सहित अन्य संगठन के जिला स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक बुलाई थी। इसी अवसर पर वे मीडिया से मुखातिब थे।

तमसा संकेत, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में "अमृतकाल नहीं, बल्कि संकटकाल" चल रहा है। समाजवादी पार्टी अब गांव-गांव जाकर डॉ. भीमराम अम्बेडकर की जयंती मनाएगी और संविधान पर चर्चा करेगी। अखिलेश ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और लोकतंत्र की जगह "एकतंत्र" लाना चाहती है। यह अमृतकाल नहीं है, यह सनातनियों का संकटकाल चल रहा है। संत मारे जा रहे हैं, संतों की हत्याएं हो रही हैं, उनका अपमान किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग वेंटिलेटर पे और कानून व्यवस्था की हत्या कर दी है क्योटो (गोरखपुर) का हाल आपने देखा ही होगा कि किस तरह वहां गोली चल रही है। मुख्यमंत्री की नगरी में उन्हीं के सांसद, उन्हीं के नेता सरकार पे और सरकार के सबसे करीब लोगों के ऊपर आरोप लगा रहे हैं। उनके एक राज्यसभा सांसद ने तो यहां तक कह दिया कि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो सरकार का डैश-डैश कर देंगे। आप सोचिए, इस सरकार में कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। शिक्षा विभाग को खत्म कर दिया है। प्राइमरी एजुकेशन को खत्म कर दिया।

भाजपा सौदागर की तरह काम कर रही

अखिलेश यादव सपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हम समाजवादी लोग बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के दिए हुए संविधान, डॉ लोहिया के दिखाया हुए रास्ते और नेताजी के आदर्शों पर चलकर समाजवादी व्यवस्था लागू करना चाहते हैं। दूसरी ओर भाजपा की सरकार है, जो सौदागर की तरह काम कर रही है। हर चीज बेच रही है। उनका लक्ष्य केवल मुनाफा कमाना है। उनके भ्रष्टाचार की वजह से महंगाई बढ़ रही है।

निवेश से कितने रोजगार मिले, ये आंकड़े नहीं बताएंगे नौजवानों को सिर्फ बड़े-बड़े निवेश के सपने दिखाए गए। पढ़े-लिखे नौजवानों के हाथों में रोजगार नहीं है। सरकार से पूछो कि निवेश से कितने रोजगार के अवसर बने, तो आंकड़े नहीं बताते। यह संविधान से चलने वाले वाले लोग नहीं हैं। यह मन विधान से चलने वाले लोग हैं। हम लोग लोकतंत्र को मजबूत करना चाहते हैं। संविधान हमारा रक्षक है। संविधान हमारी बुनियाद है। उसी बुनियाद को यह संस्थाओं के माध्यम से हिलाना चाहते हैं। उसको कमजोर करना चाहते हैं। हम पीडीए के लोग एकजुट होकर 2024 की तरह भाजपा का मुकाबला करेंगे और 2027 की विधानसभा में हराएंगे। उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाकर एक बार फिर विकास को गति देंगे।

बीजेपी शिक्षा नहीं, अंधविश्वास बढ़ाना चाहती है अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा शिक्षा को आगे नहीं बढ़ाना चाहती। वह समाज को रूढ़िवादी और अंधविश्वासी बनाए रखना चाहती है। पढ़े-लिखे लोग सवाल करेंगे, इसलिए सरकार पढ़ाना नहीं चाहती। संस्कृति स्कूल का उदाहरण उन्होंने कहा कि दिल्ली में इस स्कूल की बड़ी प्रतिष्ठा है, जल्दी इसमें प्रवेश नहीं मिल पाता है। हमनें लखनऊ में संस्कृति स्कूल बनाया, लेकिन मौजूदा सरकार ने उसकी हालत खराब कर दी।

लखनऊ विकास प्राधिकरण बनाएगा चार नए अपार्टमेंट

75 लाख से 2.80 करोड़ में मिलेंगे फ्लैट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में घर खरीदने वालों के लिए अच्छी खबर है। एलडीए शहर में 4 नए अपार्टमेंट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। इनका निर्माण अगले 3 महीने में शुरू हो जाएगा। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है, जो एक महीने में फाइनल होने की उम्मीद है। इसके बाद वर्क ऑर्डर जारी कर निर्माण कार्य शुरू होगा।

इन तीनों परियोजनाओं में कुल 1060 फ्लैट बनाए जाएंगे। जिनकी कीमत 70 लाख रुपये से लेकर 2.80 करोड़ रुपये तक होगी। इनमें से एक प्रोजेक्ट में पंजीकरण के बाद लॉटरी के जरिए फ्लैट आवंटित भी किए जा चुके हैं, जबकि बाकी में अभी पंजीकरण प्रक्रिया जारी है।

ऐशबाग के मिल रोड पर बन रहे 'ऐशबाग स्क्वॉयर' अपार्टमेंट के लिए 15 अप्रैल तक पंजीकरण किया जा सकता है। यहां 27 मंजिला टॉवर में 3BHK+स्टडी के 384 फ्लैट बनाए जाएंगे।

गोमतीनगर विस्तार में 'नर्मदा अपार्टमेंट' प्रोजेक्ट में 3BHK+स्टडी के 312 फ्लैट और 12 पेंट हाउस बनाए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट की लॉटरी मार्च में हो चुकी है। बसंतकुंज योजना में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के पास 'पार्क व्यू अपार्टमेंट' बनाया जाएगा। यहां 6 अप्रैल तक पंजीकरण का मौका है।

गोमतीनगर के विराज खंड में 'लेक व्यू' नाम से एक और लग्जरी अपार्टमेंट बनाया जाएगा।

फास्ट न्यूज

खिलौने की फैक्ट्री में लगी भीषण आग

लखनऊ । लखनऊ के चौक इलाके में शुक्रवार शाम बच्चों के खिलौने बनाने वाली एक फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि करीब 500 मीटर दूर से धुएं के गुबार दिखाई दे रहे थे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक पाटा नाला निवासी जुल्फकार की खिलौना फैक्ट्री में शाम 5:36 बजे आग लगने की सूचना 112 पर दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

ढाई लाख वसूली के आरोप में थानेदार लाइन हाजिर

लखनऊ । लखनऊ में गौतमपल्ली थाने पर बड़ी कार्रवाई की गई है। गौतमपल्ली थानेदार को लाइन हाजिर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि थाने के अन्य दरोगा-सिपाहियों की भूमिका की जांच चल रही है। थाने के SHO रत्नेश सिंह सहित यहां के सभी सिपाहियों पर ढाई लाख रुपए वसूली का आरोप है।

सीपी (पुलिस कमिश्नर) की जांच के बाद पूरे थाने पर शुक्रवार को एक्शन ले लिया गया। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले रात में बंदरियाबाग चौकी इंचार्ज एक युवक को पकड़कर थाने लाए थे।

1076 के कर्मियों का प्रदर्शन, वेतन विवाद गरमाया

लखनऊ । लखनऊ में 1076 से जुड़े कर्मचारियों का प्रदर्शन अब तेज हो गया है। साइबर टॉवर में हुए हंगामे के बाद कई कर्मचारी पुलिस कार्रवाई के डर से इधर-उधर छिपते नजर आए। बताया जा रहा है कि एक महिला कर्मचारी खुद को बचाते हुए कामता बस स्टैंड तक पहुंचे, जबकि अन्य कर्मचारी अलग-अलग जगहों पर छिपकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं,

परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को सुधारने पर रहेगा विशेष जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

- सीएम योगी आदित्यनाथ वाराणसी से करेंगे "स्कूल चलो अभियान-2026" का भव्य शुभारंभ
- नामांकन, पाठ्य-पुस्तक वितरण और जन-जागरूकता के माध्यम से अभियान को जनआंदोलन बनाने का लक्ष्य

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को वाराणसी से नए शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए ₹स्कूल चलो अभियान₹ का शुभारंभ करेंगे। यह भव्य कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे वाराणसी के कंपोजिट विद्यालय, शिवपुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दूरदर्शन और मुख्यमंत्री के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से किया जाएगा, ताकि प्रदेश भर के छात्र, अभिभावक और शिक्षक इससे जुड़ सकें। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की बुनियादी शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं। उन्होंने कहा कि 'स्कूल चलो अभियान केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के भविष्य को संवारने का एक संकल्प है। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित न रहे। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे घर-घर जाकर अभिभावकों को प्रेरित करें और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, मोनिका रानी ने अभियान के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इसका प्रथम चरण 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक संचालित किया जा रहा है, जबकि दूसरा चरण 1 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित होगा।

हर हाथ को रोज़गार और आम आदमी को न्याय के अरविंद केजरीवाल के संकल्प को आगे बढ़ाने निकले संजय सिंह

'किसी बाबा के फरमान से नहीं बाबा साहब के संविधान से चलेगा देश'

- आगरा के शहीद उद्यान से आप सांसद संजय सिंह ने किया "रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो" पदयात्रा के चौथे चरण का शुभारंभ
- आगरा में रोजगार दो सामाजिक न्याय दो पदयात्रा को मिला जनता का अभूतपूर्व समर्थन, जगह-जगह सांसद संजय सिंह का हुआ भव्य स्वागत

तमसा संकेत, संवाददाता

आगरा से मथुरा तक आप की पदयात्रा शुरू, बेरोजगारी और सामाजिक अन्याय के खिलाफ संजय सिंह ने उठाई आवाज

3 से 9 अप्रैल तक आगरा(शहीद स्मारक स्थल) से मथुरा तक चलेगी आप की 'रोज़गार दो सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा

आगरा। आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को आगरा के शहीद स्मारक स्थल, संजय पैलेस से 'रोज़गार दो, सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा के चौथे चरण का विधिवत शुभारंभ किया। शहीद-ए-आजम भगत सिंह और चंद्रशेखर आज़ाद को माल्यार्पण कर उनके आशीर्वाद के साथ इस जनसंघर्ष की शुरुआत की गई। इसके बाद पदयात्रा सेंट जॉन्स चौराहे होते हुए किदवई पार्क पहुंची, जहां विशाल जनसभा को संबोधित किया गया। आगरा में पदयात्रा को जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला और जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया। यह पदयात्रा 3 अप्रैल से शुरू होकर हाथरस होते हुए 9 अप्रैल को मथुरा में समाप्त होगी। जनसभा को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक अन्याय से जूझ रहा है, लेकिन सरकार जनता के बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं चाहिए, न कि नफरत और विभाजन की राजनीति। उन्होंने प्रधानमंत्री और प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों की समस्याएं, गन्ना भुगतान, खाद की किल्लत और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल रही है।

ऊर्जा संकट और गैस किल्लत के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा

ऊर्जा संकट और गैस किल्लत के मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि देश की जनता लंबी-लंबी लाइनों में खड़ी है, लेकिन सरकार वास्तविकता को स्वीकार करने के बजाय भ्रम फैलाने में लगी है। उन्होंने कहा कि गलत विदेश नीति और निर्णयों के कारण देश को महंगा ईंधन झेलना पड़ रहा है। संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है, पेपर लीक की घटनाएं आम हो गई हैं और नौजवानों का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है। उन्होंने मांग की कि बेरोजगार युवाओं को 10,000 प्रतिमाह भत्ता दिया जाए ताकि उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो और प्रदेश के विकास में योगदान भी मिले।

हनुमान सेतु (पीपा पुल) का भव्य लोकार्पण कर ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने दी बड़ी सौगात

'यह तो सिर्फ शुरुआत है जल्द बनेगा स्थायी पक्का पुल'

तमसा संकेत, संवाददाता

30 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा सीधा लाभ, आवागमन होगा आसान

पेयजल, प्रकाश और बुनियादी सुविधाओं से क्षेत्र को किया जा रहा सशक्त

वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, मंत्री के प्रयासों से मिला विकास को नया आयाम

लखनऊ । नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने अपने मऊ भ्रमण के दौरान कल देर रात तमसा नदी स्थित हनुमान घाट पर निर्मित हनुमान सेतु पीपा पुल का विधिवत लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को एक बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान किया।

लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने क्षेत्र की जनता को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह पीपा पुल केवल एक अस्थायी व्यवस्था नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत शुरुआत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता इस स्थान पर शीघ्र ही एक स्थायी एवं मजबूत पक्का पुल निर्माण कराने की है, जिससे आने वाले वर्षों में क्षेत्र के लोगों को और अधिक सुविधा प्राप्त होगी।मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इस पुल के बन जाने से लगभग 30 हजार से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए आवागमन अब बेहद सरल और सुगम हो जाएगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास की रोशनी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में इस क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति एवं बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। नगर विकास विभाग द्वारा स्थापित की गई आधुनिक स्ट्रीट लाइटों की सराहना स्वयं माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई है, जो विभाग के कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों ने मंत्री श्री ए.के. शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में विकास की एक नई लहर आई है।इ

तेजी से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा

मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि जो क्षेत्र अब तक विकास से अछूते रह गए थे, वहां भी अब तेजी से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को हर नागरिक तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

यूपीपीसीएल की सेवाएं 16 घंटे बंद रहेंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

- रात 10 से दोपहर 2 बजे तक नहीं होंगे काम, समय से जमा कर लें बिल

लखनऊ । लखनऊ में स्मार्ट मीटर और प्रीपेड स्मार्ट मीटर से जुड़ी तकनीकी समस्याओं को दूर करने के लिए आज यानी 3 अप्रैल रात 10 बजे से 4 अप्रैल दोपहर 2 बजे तक बिलिंग सेवा, ऑनलाइन उपभोक्ता पोर्टल और UPPCL कंज्यूमर ऐप काम नहीं करेंगे। उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड की तरफ से इसकी एडवाइजरी जारी की है। 16 घंटे तक बिजली उपभोक्ता बिलिंग भुगतान, स्मार्ट मीटर रिचार्ज, बिल जनरेशन, भार वृद्धि जैसे काम भी नहीं हो सकेंगे। हालांकि 3 अप्रैल शुक्रवार को सार्वजनिक छुट्टी है। इस दिन बिजली विभाग में न तो बकाएदारों की बिजली कटती है और न ही कोई काम होता है।

इसलिए इस दिन को मरम्मत कार्य के लिए चुना गया है। 4 अप्रैल यानी शनिवार सुबह 10 बजे के बाद ही बकाएदारों के कनेक्शन काटने का काम फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL) ने अपनी आरएमएस (Revenue Management System) बिलिंग प्रणाली में मेंटेनेंस और कॉन्फिगरेशन कार्य के कारण अस्थाई रूप से बंद करने का फैसला लिया है। इससे मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड और केस्को city के इलाके में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

प्रार्थना : हजरतगंज में जुलूस निकाला, ईसा के दर्द को याद कर रोए श्रद्धालु

यीशु को सूली पर टांगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के गिरजाघरों में गुड फ्राइडे परंपरा के अनुसार मनाया गया। यीशु मसीह के प्रतीक को सूली पर चढ़ाकर जुलूस निकाला गया। श्रद्धालुओं ने गिरिजाघरों में विशेष प्रार्थना की। यीशु के कष्टों को याद कर विश्व में शांति की कामना की।

फादर मॉरिस ने बताया- ईसाई धर्म का सबसे खास त्योहार गुड फ्राइडे है। यह दिन ईसा मसीह के बलिदान को याद किया जाता है। जब उन्हें सूली पर चढ़ाया गया था। गुड फ्राइडे, ईस्टर से ठीक पहले मनाया जाता है और इसे कुछ जगहों पर ब्लैक फ्राइडे भी कहा जाता है। इस दिन दुनियाभर के ईसाई श्रद्धा और शांति के साथ प्रार्थना करते हैं। यीशु के कष्टों को याद करते हैं।

गुड फ्राइडे की पूर्व संध्या से ही प्रार्थनाएं शुरू हो जाती हैं। ईसाई धर्म में गुड फ्राइडे का दिन गहरे शोक और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस दिन बहुत से लोग फास्टिंग भी करते हैं। सादगी के साथ यह दिन बिताते हैं। गुड फ्राइडे के मौके पर लोग चर्च जाते हैं और जहां विशेष प्रार्थना करते हैं।

कुछ जगहों पर गुड फ्राइडे के दिन ईसा मसीह के जीवन की आखिरी घटनाओं और उनके बलिदान को नाटकों या झांकियों के जरिए भी दिखाया गया। गुड फ्राइडे को कुछ लोग ब्लैक फ्राइडे या ग्रेट फ्राइडे भी कहते हैं। यह हर साल अलग-अलग तारीख को पड़ता है, क्योंकि इसकी तारीख ईस्टर के अनुसार तय होती है।

मान्यता के अनुसार, इसी दिन ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। उन्होंने मानवता के भले के लिए अपने प्राण त्याग दिए। यह दिन उनके प्रेम और बलिदान की याद दिलाता है। इसी वजह से इसे पवित्र दिन भी माना जाता है और कई लोग इसे 'होली फ्राइडे' के नाम से भी जानते हैं।

यीशु को सूली चढ़ाकर जुलूस निकाला

सिपाहियों ने यीशु को क्रूस पर पटक दिया। वह अपने हाथ फैलाते हैं और वे उनके हाथ-पांव में कीले ठोंककर उन्हे क्रूस पर टांग देते हैं। यीशु ने मनुष्यों की मुक्ति के लिए अपने सनातन पिता के चरणों में अपने दुःखमय अंगों को समर्पित किया। बोले- हे पिता! उन्हे क्षमा कर, क्योंकि वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।

> इस बार ईस्टर 5 अप्रैल रविवार के दिन मनाया जाएगा। गुड फ्राइडे सुनने में भले ही 'गुड' यानी अच्छा लगे, लेकिन यह दिन खुशी का नहीं बल्कि गहरे शोक का दिन माना जाता है। इसलिए, इस दिन किसी को 'हैप्पी गुड फ्राइडे' कहना सही नहीं माना जाता है।

तकनीक आधारित निगरानी से मजबूत हुआ खनन तंत्र

7150 करोड़ के वार्षिक लक्ष्य हेतु खनन विभाग सख्त

तमसा संकेत, संवाददाता

- खनन राजस्व में ऐतिहासिक बढ़ोतरी, मार्च में लक्ष्य से कहीं अधिक रु780 करोड़ की प्राप्ति
  - श्रीमती माला श्रीवास्तव

लखनऊ। भूतत्त्व एवं खनिकर्म विभाग, उत्तर प्रदेश की सचिव एवं निदेशक श्रीमती माला श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि विभाग द्वारा राजस्व प्राप्ति के सभी आयामों की गहन समीक्षा, सुदृढ़ अनुश्रवण तथा प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाहियों के परिणामस्वरूप माह मार्च में निर्धारित 600 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष 780 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व अर्जित किया गया है, जो गत वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु वित्त विभाग द्वारा 7150 करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसकी शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए गुरवार को समस्त जनपदीय एवं क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्ययोजना एवं रणनीति को अंतिम रूप देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए तथा उपखनिजों की उपलब्धता आमजन के लिए सरल, पारदर्शी एवं सुगम बनाई जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं ओवरलोडिंग पर स्रोत स्तर (Source Point) पर ही प्रभावी अंकुश लगाया जाए तथा IoT enabled RFID युक्त (इंटरनेट ऑफ थिंग्स सक्षम रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान प्रणाली) चेकगेट्स के माध्यम से खनिज परिवहन की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही, Vehicle Tracking System के अंतर्गत प्रदेश में 40,000 से अधिक वाहनों में स्थापित लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस के माध्यम से उपखनिज परिवहन की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता पर त्वरित कार्रवाई संभव हो रही है।

गेहूं की फसल का क्रॉप कटिंग परीक्षण

जिलाधिकारी ने खेत में पहुंचकर उत्पादन का किया आकलन

निर्देश

- निर्धारित क्षेत्र में हुई कटाई और मड़ाई
- किसानों और फसलों की जानकारी ली
- क्रॉप कटिंग से तय होती है औसत पैदावार

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत,अंबेडकरनगर। रबी सीजन में गेहूं की पैदावार का आकलन करने के लिए जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने तहसील अकबरपुर के राजस्व ग्राम चांदपुर भटपुरा में क्रॉप कटिंग प्रयोग कराया। यह प्रक्रिया CCE एग्री ऐप और GCES ऐप के माध्यम से संपन्न हुई।

कटाई के बाद प्राप्त गेहूं का कुल वजन 20.210 किलोग्राम दर्ज किया गया। इस आधार पर प्रति हेक्टेयर उत्पादन 46.6 कुंतल आंका गया। यह आंकड़ा क्षेत्र में गेहूं की स्थिति को दर्शाता है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्थानीय किसानों से क्षेत्र में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों, गेहूं की किस्मों और उनकी उत्पादकता के बारे में जानकारी ली। इससे क्षेत्र की कृषि स्थिति का आकलन करने में मदद मिली। क्रॉप कटिंग प्रयोग के जरिए किसी क्षेत्र की औसत फसल पैदावार निकाली जाती है। यही डेटा जिले के कृषि उत्पादन का आधार बनता है। साथ ही फसल बीमा योजना के तहत नुकसान के मुआवजे का निर्धारण भी इन्हीं आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। इस दौरान तहसीलदार अकबरपुर, अपर सांख्यिकी अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, संबंधित लेखपाल और कृषि विभाग के कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

सही आंकड़े भेजने के निर्देश

जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि उत्पादन से जुड़े सभी आंकड़े सही तरीके से संकलित कर शासन को भेजे जाएं। उन्होंने कहा कि आंकड़ों की शुद्धता बेहद जरूरी है, क्योंकि इन्हीं के आधार पर जिले की कृषि रिपोर्ट तैयार होती है।

खेत में खुद काटी गेहूं की फसल

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने किसान के खेत में पहुंचकर तैयार गेहूं की फसल को हंसिया से काटा। इस दौरान अधिकारियों की टीम भी मौके पर मौजूद रही। प्रशासन ने ऑनलाइन चयन प्रक्रिया के तहत गाटा संख्या 708, किसान पलटू पुत्र अलगू के खेत को परीक्षण के लिए चुना।

क्रॉप कटिंग के लिए 10 मीटर भुजा वाले समबाहु त्रिभुज क्षेत्र को चिन्हित किया गया, जिसका कुल क्षेत्रफल 43.30 वर्ग मीटर रहा। इस निर्धारित क्षेत्र में गेहूं की कटाई और मड़ाई कर उत्पादन का वजन लिया गया।

गैस एजेंसियों की मनमानी पर सख्ती जबरन पाइप बेचने पर होगी कार्रवाई

जिला पूर्ति अधिकारी ने जारी किया निर्देश, उपभोक्ताओं को दी राहत

संज्ञान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। एलपीजी उपभोक्ताओं से जबरन सुरक्षा पाइप बेचने की शिकायतों पर जिला पूर्ति विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। जिला पूर्ति अधिकारी शिवकांत पांडेय ने स्पष्ट किया है कि किसी भी गैस एजेंसी को उपभोक्ताओं पर पाइप खरीदने का दबाव बनाने की अनुमति नहीं है।

जिले में कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की थी कि केवाईसी कराने के दौरान गैस एजेंसियां 190 रुपये में 1.5 मीटर सुरक्षा हौज पाइप जबरदस्ती बेच रही हैं। इस पर विभाग ने संज्ञान लिया है।

अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा हौज पाइप को हर पांच वर्ष में बदलना जरूरी होता है। इससे गैस रिसाव जैसी दुर्घटनाओं से बचाव होता है। एजेंसियों द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले पाइप आईएसआई मार्क और डबल कोटेड वायरयुक्त होते हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी ने कहा कि एजेंसियां उपभोक्ताओं को केवल सलाह दे सकती हैं। यदि पाइप पुराना या खराब है तो उसे बदलने के लिए कहा जा सकता है, लेकिन जबरदस्ती बिक्री नहीं की जा सकती।

स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी एजेंसी के खिलाफ जबरन पाइप बेचने की शिकायत मिलती है तो एमजीडी गाइडलाइन 2022 के तहत विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

उपभोक्ताओं से कहा गया है कि यदि उनका पाइप पांच साल से अधिक पुराना है या उसमें कट-फट या दरार है तो उसे बदल लें। इससे सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। विभाग ने सभी गैस एजेंसियों को निर्देश दिया है कि नियमों का पालन करें और उपभोक्ताओं के साथ किसी तरह की जबरदस्ती न करें।

फास्ट न्यूज

अंबेडकरनगर में मनाया गया गो सेवा एवं गो संवर्धन दिवस

अंबेडकरनगर । जिले के सभी विकास खंडों में गो सेवा एवं गो संवर्धन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला के निर्देश पर संपन्न हुआ। इसकी निगरानी मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अरविंद सिंह ने की।

इस दौरान जनपद के सभी गो आश्रय स्थलों पर विशेष अभियान चलाया गया।

पियारेपुर संकट मोचन मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर भंडारा

अंबेडकर नगर। अयोध्या–अंबेडकर नगर मार्ग पर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर, पियारेपुर में हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही मंदिर परिसर में हनुमान चालीसा पाठ, भजन-कीर्तन और आरती का आयोजन चलता रहा। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आयोजन का माहौल भक्तिमय और शांतिपूर्ण रहा।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर डबल डेकर बस पलटी

बाराबंकी । बाराबंकी में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को एक डबल डेकर बस पलट गई, जिसमें 24 से अधिक यात्री घायल हो गए। यह हादसा लोनी कटरा थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 32 के पास हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस का संतुलन बिगड़ने के कारण यह दुर्घटना हुई। हादसे के समय बस में कई यात्री सवार थे जो दिल्ली से मधुबनी, बिहार जा रहे थे।

भीटी सीएचसी में वेतन गड़बड़ी, एएनएम और अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । भीटी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में स्टाफ नर्स को संविदा मानदेय के साथ स्थायी नौकरी का वेतन मिलने की घटना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ. रामानंद ने अंजू मिश्रा, डीडीएम वंशमणि पांडेय और डीपीएम अनिल कुमार मिश्रा के खिलाफ अकबरपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया।

अंजू मिश्रा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत भीटी सीएचसी में संविदा एएनएम के पद पर कार्यरत थीं। सितंबर 2023 में उन्हें स्टाफ नर्स के पद पर स्थायी नियुक्ति मिल गई। इसके बावजूद उनके खाते में संविदा का मानदेय जमा होता रहा और सरकारी वेतन भी उन्हें प्राप्त होता रहा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने लेखा प्रबंधक से दस्तावेज मांगे। जांच में पाया गया कि अंजू मिश्रा के एसबीआई खाते में

59,250 रुपये और कोटक महिंद्रा बैंक खाते में 2,23,195 रुपये अतिरिक्त जमा हुए थे। इसके बाद दोनों खातों पर रोक लगाई गई। अंजू ने स्पष्टीकरण में कहा कि एसबीआई में आई राशि एनएचएम प्रोत्साहन के रूप में मिली थी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी थी, लेकिन डीपीएम और डीडीएम ने इसे लिपिकीय त्रुटि बताकर कार्रवाई नहीं की। उपस्थिति पंजिका की जांच में यह भी सामने आया कि अंजू मिश्रा ने एएनएम के पद पर हस्ताक्षर नहीं किए थे, फिर भी मानदेय भेजा गया। अधिकारियों ने इसे कर्मचारियों के नामों में गड़बड़ी बताई। मामले की पुष्टि के बाद, अंजू मिश्रा ने 6 फरवरी 2026 को राशि ब्याज सहित वापस जमा कर दी।

अकबरपुर नगर पालिका में नामित सभासदों का शपथ ग्रहण

चार सदस्यों ने ली शपथ, एक सदस्य अनुपस्थित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नगर पालिका परिषद अकबरपुर परिसर में शुक्रवार को नामित सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन व्यवस्थित तरीके से हुआ। उप जिलाधिकारी प्रतीक्षा सिंह ने सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शासन द्वारा नामित पांच सदस्यों में से चार ने शपथ ग्रहण किया। इनमें ज्ञान मोदनवाल, राजेश्वर गौतम, प्रेमचन्द्र वर्मा और राजेश्वरी वर्मा शामिल रहे।नामित सदस्य बजरंगी पाठक समारोह में मौजूद नहीं रहे। इस कारण उनका शपथ ग्रहण नहीं हो सका। प्रशासन के अनुसार, उन्हें अगली तिथि पर शपथ दिलाई जाएगी।

उप जिलाधिकारी प्रतीक्षा सिंह ने कहा कि नामित सभासदों की भूमिका नगर के विकास कार्यों में महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने सभी सदस्यों से जिम्मेदारी के साथ कार्य करने और जनहित को प्राथमिकता देने की अपेक्षा जताई।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश वर्मा ने कहा कि सभी नए सदस्य नगर के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। उन्होंने कहा कि टीमवर्क के जरिए नगर में बेहतर कार्य कराए जाएंगे और जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी विशाल कुमार सारस्वत, प्रधान लिपिक अनूप सोनकर, जलकल प्रभारी जसवंत सिंह यादव और मार्ग प्रकाश प्रभारी संजय सोनकर सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। भाजपा प्रतिनिधि के रूप में वाल्मीकि उपाध्याय भी शामिल हुए।पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने नव-नामित सभासदों को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

एसएसजी खातों के लंबित आवेदन निपटाने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को स्वयं सहायता समूह (एसएसजी) खातों से जुड़े लंबित आवेदनों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने की। यह बैठक जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देश पर बुलाई गई थी।

बैठक में विभिन्न बैंक शाखाओं में लंबित पड़े एसएसजी अकाउंट ओपनिंग के आवेदनों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान सामने आया कि कई शाखाओं में बड़ी संख्या में आवेदन लंबित हैं। इस पर अधिकारियों ने चिंता जताई।

मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित आवेदनों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इसके लिए तीन दिन का समय निर्धारित किया गया है। अधिकारियों से कहा गया कि अभियान चलाकर प्रक्रिया पूरी करें।

बीएमएम और एडीओ (आईएसबी) को निर्देश दिए गए कि वे बैंक सखी और शाखा प्रबंधकों के साथ समन्वय स्थापित करें। जिन आवेदनों में कमी है, उन्हें तुरंत ठीक कराया जाए। इससे खातों के खुलने की प्रक्रिया तेज होगी। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी शाखा प्रबंधकों को योजना को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कहा गया कि एसएसजी खातों के समय पर खुलने से समूहों को आर्थिक गतिविधियों में मदद मिलेगी। इसलिए सभी विभाग और बैंक मिलकर इस प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करें।

कंप्यूटर ऑपरेटर पर गंभीर आरोप, कार्रवाई का इंतजार

जहांगीरगंज सीएचसी में वसूली के आरोप, जांच में देरी से बढ़ा असंतोष

नाराजगी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । तहसील आलापुर के जहांगीरगंज क्षेत्र स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जुड़ा एक मामला सामने आया है। यहां तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर अंजनी कुमार पर निजी अस्पताल संचालकों से अवैध वसूली के आरोप लगाए गए हैं। मामले की जांच जारी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से नाराजगी बढ़ रही है।

नीय स्तर पर चर्चा है कि संबंधित कर्मी करीब आठ वर्षों से एक ही स्थान पर तैनात है। इस कारण व्यवस्था पर सवाल उठ रहे

हैं। लोगों का कहना है कि लंबे समय तक एक जगह तैनाती से इस तरह की शिकायतें बढ़ती हैं। मामले की जांच के लिए अपर सीएमओ उदयचंद्र यादव को नामित किया गया है। हालांकि, जांच में देरी को लेकर अस्पताल संचालकों में असंतोष है। उनका कहना है कि अब तक स्पष्ट कार्रवाई नहीं होने से स्थिति बनी हुई है। सीएचसी जहांगीरगंज के अधीक्षक कमलेश चौधरी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में कार्यभार संभाला है और मामले की जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मुख्य चिकित्सा अधिकारी संजय शैवाल ने कहा कि प्रकरण की जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों का मानना है कि इस तरह के आरोपों का असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ सकता है। यदि अतिरिक्त आर्थिक दबाव बढ़ता है तो इसका असर मरीजों तक पहुंच सकता है।

निजी अस्पताल संचालकों ने लगाए आरोप

क्षेत्र के कई निजी अस्पताल और क्लीनिक संचालकों का आरोप है कि निरीक्षण, लाइसेंस और अन्य प्रशासनिक कार्यों के नाम पर उनसे धन की मांग की जाती है। आरोप है कि पैसा न देने पर नोटिस, जांच या कार्रवाई की चेतावनी दी जाती है।

एक संचालक ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि हर महीने तय रकम देने का दबाव बनाया जाता है। विरोध करने पर छापेमारी या शिकायत की बात कही जाती है।

बाबा बरुआ दास पीजी कॉलेज में नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

तीसरी सरकार अभियान के तहत महिलाओं और छात्रों को नेतृत्व क्षमता पर प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विकासखंड जलालपुर स्थित बाबा बरुआ दास पीजी कॉलेज में जन शिक्षण केंद्र द्वारा "तीसरी सरकार अभियान" के अंतर्गत नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत सावित्रीबाई फुले नारी संघ की महिला लीडर और कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपप्राचार्य डॉ. पवन कुमार गुप्ता ने किया। उन्होंने नेतृत्व विकास के गुणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक सक्षम और सशक्त नेता समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रशिक्षक अनिल तिवारी ने प्रशिक्षण सत्र में लीडरशिप के गुण,

लीडरों की विशेषताएं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित कर सामाजिक, राजनीतिक और व्यवसायिक क्षेत्र में बदलाव लाने के तरीकों पर विचार-विमर्श कराया गया। प्रशिक्षक ने प्रतिभागियों के विचारों को सरल और व्यवहारिक रूप देने पर जोर दिया। संस्था की सचिव पुष्पा पाल ने कहा कि सही जानकारी और मजबूत पकड़ से ही विकास के रास्ते खुलते हैं। उन्होंने महिला लीडरों और छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि नेतृत्व क्षमता के माध्यम से वे अपने परिवार और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। उन्होंने छात्रों को भी बताया कि नेतृत्व क्षमता विकसित होने पर वे समाज और राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जिससे सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपप्राचार्य ने पंच परमेश्वर विद्यापीठ और जन शिक्षण केंद्र के प्रयासों की सराहना की और प्रशिक्षक तथा संस्था की सचिव को कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में जन शिक्षण केंद्र की निशा, उर्मिला, सरोज, सिद्धार्थ सिंह, हेमलता, तथा नारी संघ लीडर उमा, रंजना, राधिका, ललिता, वंदना के साथ कॉलेज के छात्र-छात्राएं और शिक्षकगण उपस्थित रहे।

अंबेडकरनगर के आलापुर में तीन ग्रामीण सड़कों का निर्माण जल्द शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर तहसील में तीन महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़कों के निर्माण की तैयारी पूरी हो चुकी है। राज्य सड़क निधि योजना के तहत इन परियोजनाओं पर कुल 1 करोड़ 92 लाख 97 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। निर्माण कार्य शुरू होने से हजारों ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

पहली सड़क रामनगर चहोड़ा मुख्य मार्ग से मोलनापुर, रसूलपुर होते हुए बरमसापुर प्राथमिक विद्यालय तक जाएगी। इस सड़क के निर्माण पर 51.37 लाख रुपये खर्च होंगे। दूसरी सड़क बीजेआर किमी-29 से प्राइमरी स्कूल होते हुए खरुवांव तक संपर्क मार्ग के रूप में बनेगी, जिसकी लागत 67.74 लाख रुपये है। तीसरी सड़क जीएस हाई स्कूल आजमगढ़ बॉर्डर से लालमनपुर तक जाएगी और इसके लिए 73.66 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इन सड़कों के बन जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सरल और सुरक्षित होगा। खराब सड़कों के कारण अब तक ग्रामीणों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ती थीं, विशेषकर स्कूल जाने वाले बच्चों और कृषि उपकरणों के परिवहन में। नई सड़कें स्थानीय कारोबार और कृषि गतिविधियों को भी गति देंगी।

विधान परिषद सदस्य डॉ. हरिओम पांडेय की पहल पर संबंधित विभाग ने सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा था।

राज्य सड़क निधि योजना के तहत 1.92 करोड़ रुपये खर्च होंगे, ग्रामीणों को आवागमन में राहत

परियोजना : जलालपुर तहसील के तीन गांव परियोजना में शामिल, रिपोर्ट सार्वजनिक

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अर्जन प्रक्रिया शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से जुड़ी औद्योगिक गलियारा परियोजना के लिए जिले में भूमि अर्जन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। प्रशासन ने तहसील जलालपुर के तीन गांवों की जमीन अर्जन के लिए प्रस्तावित की है। इस संबंध में सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट तैयार कर सार्वजनिक कर दी गई है।

परियोजना के तहत ग्राम नूरपुर-कला, गौरीबड़ाह और अजमलपुर की भूमि अर्जित की जानी है। यह कार्य उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा संचालित गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारा विकसित करने के लिए किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने जानकारी दी है कि प्रस्तावित भूमि से जुड़े सभी लोग सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट का अवलोकन कर सकते हैं। यह रिपोर्ट संबंधित ग्राम पंचायत, परगना मजिस्ट्रेट कार्यालय, जिलाधिकारी कार्यालय और जनपद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों की भूमि इस परियोजना में प्रस्तावित है, वे रिपोर्ट का अध्ययन कर अपनी आपत्तियां या सुझाव दे सकते हैं। इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारा विकसित होने से क्षेत्र में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है। इसके लिए भूमि अर्जन की प्रक्रिया को नियमानुसार आगे बढ़ाया जा रहा है। पूरी प्रक्रिया प्रशासन की निगरानी में संचालित हो रही है। अधिकारियों का कहना है कि नियमों के अनुसार सभी चरण पूरे किए जाएंगे, ताकि प्रभावित लोगों के हितों का ध्यान रखा जा सके।

भूमि अर्जन से पहले आवश्यक प्रक्रिया के तहत सामाजिक समाघात आकलन रिपोर्ट और प्रबंधन योजना तैयार की गई है। यह रिपोर्ट नामित एजेंसी एटलस मैनेजमेंट कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, रांची द्वारा तैयार कर प्रशासन को सौंप दी गई है।

अधिनियम के तहत प्रक्रिया जारी

यह पूरी कार्रवाई 'भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013' और उत्तर प्रदेश नियमावली 2016 के तहत की जा रही है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार भूमि अर्जन से पहले प्रभावित पक्षों को जानकारी देना जरूरी होता है।

करसेल टैक्स ऑफिसर बने मयंक मौर्य का पैतृक गांव में अभिनंदन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पीसीएस परीक्षा पास कर सेल टैक्स ऑफिसर पद पर चयनित मयंक मौर्य का अपने पैतृक गांव ग्राम अमड़ी गोबिंद साहब में प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह न्यौरी मुख्य चौक पर आयोजित हुआ, जिसमें सदस्य जिला पंचायत अश्वनी यादव, ग्राम प्रधान अमड़ी सुनील यादव और स्थानीय नागरिकों ने माल्यार्पण कर मौर्य का अभिनंदन किया। मयंक मौर्य ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अवध चिल्ड्रन एकेडमी तिघरा दाउदपुर और हाई स्कूल महात्मा गोविंद साहब इंटर कॉलेज दुल्हुपुर से प्राप्त की। ग्रेजुएट की पढ़ाई इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली में कई वर्षों की कड़ी तैयारी के बाद पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल की। मौर्य ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम करने से सफलता निश्चित मिलती है। अपने प्रथम आगमन पर मयंक मौर्य ने पूर्वांचल की पवित्र तपोस्थली बाबा गोविंद साहब मंदिर में जाकर गोविंद साहब बाबा की समाधि पर माथा टेका और साधु संतों का आशीर्वाद लिया।

सम्पादकीय

अराजकता से घिरा बंगाल

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के काम में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से तैनात न्यायिक अधिकारियों को जिस तरह घंटों बंधक बनाए रखा गया, वह इस राज्य में अराजकता हावी हो जाने का एक और प्रमाण ही है। इसी कारण इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि मालदा जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

इस घटना की गंभीरता का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि जिन अधिकारियों को बंधक बनाया गया, उनमें महिलाएं भी थीं और उन्हें तब मुक्ति मिल सकी, जब खुद सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने सख्त आदेश दिए। चूंकि राज्य के शीर्ष अफसर बंधक बनाए गए न्यायिक अधिकारियों को छुड़ाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को इस घटना की जांच सीबीआइ या एनआइए से कराने के निर्देश दिए। इसका अर्थ है कि उसे राज्य के शासन-प्रशासन पर तनिक भी भरोसा नहीं।

यह बंगाल सरकार के लिए शर्मिंदगी का विषय होना चाहिए, लेकिन यह तय है कि उसकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। यदि ममता सत्ता में लौटीं तो बंगाल में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली ऐसी अराजक घटनाएं फिर से आम हो सकती हैं। हिंसक घटनाओं के सामने पुलिस प्रशासन के मूकदर्शक बने रहने के मामलों में बंगाल सरकार को हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट से न जाने कितनी बार फटकार लग चुकी है, पर नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। मालदा की शर्मनाक घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सारी शक्तियां छीन ली गई हैं। यदि सच में ऐसा है तो फिर उनकी सरकार के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से यह आग्रह क्यों किया कि वह अपनी इस टिप्पणी को हटा ले कि कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है? वास्तव में ऐसा कोई निष्कर्ष निकालना निरा झूठ है कि चुनाव वाले राज्य में सरकार शक्तिहीन हो जाती है। सच यह है कि ममता शासन में बंगाल प्रशासन का बुरी तरह राजनीतिकरण हो चुका है और कई पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तृणमूल कांग्रेस के एजेंट के तौर पर काम करते हैं। जिन अराजक तत्वों ने मालदा में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया, उन्हें वोटर लिस्ट से नाम कट जाने वाले क्षुब्ध वोटरों की संज्ञा देना सुप्रीम कोर्ट को धोखा देना ही है। मालदा में मनमानी करने वाले अराजक तत्व ही थे, इसका पता इससे चलता है कि गत दिवस उन्होंने फिर से उत्पात मचाया और पुलिस पर हमला किया। अच्छा हो कि सुप्रीम कोर्ट इस पर ध्यान दे कि बंगाल प्रशासन अराजकता से दृढ़ता से निपटना सीखे-केवल चुनाव के वक्त ही नहीं, बल्कि सामान्य दिनों में भी। यदि इस पर ध्यान नही दिया गया तो बंगाल में अराजकता और बढ़ेगी ही।

जरूरी था ट्रांसजेंडर कानून में बदलाव

गत दिनों ट्रांसजेंडर के अधिकारों से जुड़े संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। 2019 के अधिनियम में सुधार की दृष्टि से लाए गए ट्रांसजेंडर (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक में किसी को जबरन ट्रांसजेंडर दर्शाने या उससे भीख मंगवाने पर 10 वर्ष की सजा का प्रविधान है। बच्चों की ऐसी प्रस्तुति-शोषण पर यह सजा आजीवन कारावास तक हो सकती है। अगवा कर ट्रांसजेंडर बनाने के उद्देश्य से अंग-भंग पर भी कड़ी सजा का प्रविधान है। मौजूदा कानून में ट्रांसजेंडरों के प्रति भेदभाव-दुर्व्यवहार पर दो साल तक की सजा थी। पहले से व्यापक और कड़े प्रविधानों के बावजूद इस बिल का विरोध हो रहा है। विरोध का मूल कारण वह प्रस्ताव है, जो ट्रांसजेंडर पहचान को स्व-अनुभूत लिंग पहचान की अपेक्षा मेडिकल सत्यापन से तय करता है। नए विधेयक के बाद ट्रांसजेंडर को उचित अधिकारी से मेडिकल प्रमाणपत्र लेना होगा।

नेशनल लीगल सर्विसेज अथारिटी, नालसा और द कर्नाटक स्टेट जेंडर एंड सेक्सुअलिटी माइनारिटीज फार कन्वर्जेंस जैसी संस्थाएं यह कह कर विरोध कर रही हैं कि किसी भी व्यक्ति को उसकी आनुवांशिक संरचना से इतर इच्छानुसार अपना लिंग घोषित करने का अधिकार होना चाहिए। नालसा बनाम केंद्र सरकार वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने नालसा का यह तर्क माना था और 2019 का ट्रांसजेंडर अधिनियम उसी आधार पर बना था।

विकास सारस्वत

अमीर अधिकारियों वाला गरीब राज्य - बिहार

> वैदिक काल में मगध का क्षेत्र क्रिकत प्रदेश के रूप में वर्णित है। ऋषि मुनियों के प्रवास की जानकारी मिलती है। गया में गयासुर के शक्तिशाली साम्राज्य का वर्णन हुआ है।

बिहार, जो मध्यवर्ती मैदान का मुख्य भाग है, यह विश्व में सभ्यताओं का पालना कहा जाता है। हजारों वर्ष पूर्व पूरा पाषाण काल में छपरा,चंपारण, गया,सासाराम,मुंगेर क्षेत्र में मानव जीवन के प्रमाण मिले हैं। उस समय के औजार,बर्तनों का अवशेष मिला है। नवपाषण काल में कृषि के भी प्रमाण मिले हैं। नदियों की बहुलता ने इस क्षेत्र में मानव विकास को सुलभ बनाया है।

सिंधु घाटी सभ्यता के दौर में भी यहां सभ्यता विकसित हुई थी। सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के बाद लोगों का प्रवजन के प्रमाण गंगा के उत्तर और दक्षिणी मैदानों में पाए जाते हैं। यहां के मूल निवासियों से संघर्ष और समन्वय भी संभवतः हुआ। मूल निवासी उत्तर के पर्वतीय क्षेत्र में और दक्षिण के पठारी भागों में स्थानांतरित हो गए।।

छठी सदी पूर्व मगध महाजनपद के रूप में ख्यात हो गया था। उस समय सोलह महाजनपद का प्रमाण पुराणों और जैन साहित्य से भी मिलता है। अंग, वैशाली अन्य महाजनपद बिहार में थे।।कालांतर में मगध सबसे शक्तिशाली साम्राज्य हो गया था। वैवाहिक संबंध एवं युद्ध से इसका विस्तार पश्चिम उत्तर तक हो गया था।

जैन और बौद्ध काल बिहार का स्वर्णिम काल काल माना जा सकता है। इस समय मगध साम्राज्य ही असली भारत का साम्राज्य बन चुका था। हरियक वंश,नंद वंश, मौर्य वंश का विशेष महत्व रहा है।। इस समय पटना का सुंदर अस्तित्व हो गया था। मेगास्थनीज ने अपने यात्रा विवरण में पटना को नौ मिल लंबा और डेढ़ मिल में आयताकार सुंदर बसावट की जानकारी दी है। उसने मथुरा क्षेत्र में यदुवंशी कृष्ण की पूजा होने की जानकारी दी है। उस समय के अठारह जातियों के अस्तित्व को स्वीकार किया है। साथ ही वर्ण व्यवस्था का भी अस्तित्व स्वीकार किया है।

कुषाण काल और गुप्त काल में बिहार प्रदेश की स्थिति अच्छी रही है। हूणों का आक्रमण गुप्त काल में ही हुआ था। स्कंदगुप्त ने उन्हें परास्त किया था। इसी समय मूर्ति कला,स्थापत्य कला, संगीत,साहित्य,गणित, विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई थी।। पांचवीं सदी में नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, जो बिहार का आज भी पहचान बना हुआ है। पाल काल में विक्रमशिला विश्वविद्यालय भी बिहार की उन्नति में योगदान दिया।

इस समय चैत्य, बौद्ध विहारों की संख्या बहुत हो गई थी। उनके विहार या तीर्थ यात्रा की परंपरा स्थापित हो गई थी। बिहार क्षेत्र में इनकी संख्या ज्यादा थी। बाद में हिंदू धर्म में शंकराचार्य की ताकत बढ़ने से बौद्ध धर्म सिमटने लगा। कहा जाता है कि बौद्ध मठों पर हमले बढ़ गए थे। हर्षवर्धन की मृत्यु के बाद बौद्ध धर्म को राज्यश्रय नहीं मिल सका। इसके बाद भारत में इस्लाम का आक्रमण शुरू हुआ। वे मूर्तिपूजा के विरोधी थे। अरब से मूर्तिभंजन और अपना साम्राज्य स्थापित करते हुए ईरान,तुर्की से होते भारत में भी आए। लंबे संघर्ष के बाद तेरहवीं सदी में दिल्ली सल्तनत की स्थापना हुई। उस समय भी बिहार सल्तनत का एक सूबा बना रहा। बौद्ध विहारों को सर्जे बिहार कहा गया। इसी के पास प्रशासनिक इकाई का गठन हुआ। कहा जाता है कि बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट किया था। इतिहासकार प्रो डीएन झा का कहना है कि ब्राह्मणों ने बौद्ध शिक्षा दर्शन को नष्ट करने के लिए जला दिया था। तिब्बती गुरु तारानाथ का भी यही मानना था।

मुगल काल में भी बिहार सूबा बना रहा। इसके प्रधान को सूबेदार कहा जाता था। शेरशाह सूरी ने पटना का नव निर्माण कर प्रशासनिक केंद्र बनाया। ऐसा प्रतीत होता है कि पटना शहर मध्यकालीन दौर में बाढ़ से भी ग्रसित रहा होगा।

औरंगज़ेब के समय के चित्रकार भाग कर पटना आ गए थे जिससे पटना कलम चित्रकला का उद्भव हुआ।

पलासी की लड़ाई में अंग्रेजों को जीतने के बाद गद्दार मीरजाफर को हटाकर मीर कासिम को नवाब बनाया गया था। मीर कासिम को भी गद्दारी के लिए पद मिला था। उसका बेटा भी गद्दारी के लिए पद मांगने लगा। तब अंग्रेजों ने उसके गद्दार बेटा को पहली बार बिहार का उप नवाब बना दिया।। समाज और देश के गद्दारों को कुर्सी मिलने की परंपरा इस देश में रही है। एक को कुर्सी देकर पूरे समाज को गुलाम बना दिया जाता था। अंग्रेजी शासन में बिहार सूबा की जगह प्रांत बन गया। फिर बंगाल, बिहार,उड़ीसा को मिलाकर संयुक्त प्रांत अंग्रेजों ने बनाया। बिहार के लोग अलग राज्य की मांग को लेकर आंदोलन भी कर रहे थे। 1905 में बंग भंग हुआ।12 दिसंबर 1911 को दिल्ली दरबार में जॉर्ज पंचम ने बिहार को अलग राज्य बनाने की घोषणा की। उसके बाद 22 मार्च 1912 को बिहार राज्य गठन की अधिसूचना जारी हो गई। 01 अप्रैल से विधिवत बिहार राज्य क्रियाशील हो गया।

अठारह सौ सत्तावन से लेकर 1905,1917,1922,1930,1942 के हर आंदोलनों में बिहार की बड़ी भूमिका रही है। महात्मा गांधी को पहली सत्याग्रह बिहार में ही करने का मौका मिला। भगत सिंह को भी बिहार आने का मौका मिला। आजादी के बाद बिहार हर क्षेत्र में पिछड़ता रहा। सामंतवाद की गहरी पैठ ने इस राज्य के विकास में बाधाएं डाली। नक्सलवाद,जातीय सेनाएं,हिंसा, भेदभाव ने इस राज्य को सबसे अधिक गरीब, अविकसित, शिक्षा में फिसड्डी राज्य बना दिया है। आज भी औद्योगिक संकटों को झेलता यह राज्य पलायन की पीड़ा से ग्रसित है। अन्य राज्यों में निर्माण या औद्योगिक दुर्घटनाओं में मरने वाले सभी बिहारी होते हैं।

भ्रष्टाचार यहां की बड़ी समस्या है। छापे पड़ने वाले अधिकारियों के पास दर्जनों फ्लैट,बंगला, करोड़ों नगदी,सोने चांदी के भंडार इस गरीब राज्य को गहरा जख्म देता है। इसके बावजूद बिहार अपने स्वाभिमान के बल पर खड़ा है।

- अंबुज कुमार

भारत जैसे देश में क्रिप्टो...

आर के सारस्वत

डिजिटल क्रांति की नई टकसाल: क्रिप्टो माइनिंग के बढ़ते कदम और भविष्य की चुनौतियां

आज के आधुनिक युग में वित्तीय लेन-देन के तरीके तेजी से बदल रहे हैं। जहाँ कभी सिक्कों और नोटों का बोलबाला था, वहीं अब 'क्रिप्टोकरेंसी' जैसी डिजिटल मुद्राओं ने वैश्विक बाजार में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। इस पूरी डिजिटल अर्थव्यवस्था के पीछे एक बहुत बड़ी और जटिल प्रक्रिया काम करती है जिसे हम 'क्रिप्टो माइनिंग' के नाम से जानते हैं। आम आदमी के लिए यह शब्द किसी रहस्य से कम नहीं है लेकिन अगर इसे गहराई से समझा जाए तो यह डिजिटल दुनिया की वह आधुनिक टकसाल है जहाँ बिना किसी सरकारी मशीनरी के नई मुद्रा का सृजन होता है और हर एक लेन-देन को सुरक्षित किया जाता है।

क्रिप्टो माइनिंग को समझने के लिए हमें इसे पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था से अलग हटकर देखना होगा। जहाँ बैंकों में हिसाब-किताब रखने के लिए एक केंद्रीय सिस्टम होता है, वहीं क्रिप्टोकरेंसी के नेटवर्क में यह जिम्मेदारी दुनिया भर में फैले लाखों माइनर्स की होती है। ये माइनर्स असल में शक्तिशाली कंप्यूटरों का एक जाल हैं जो हर समय जटिल गणितीय पहेलियों को हल करने में जुटे रहते हैं। जब भी कोई व्यक्ति डिजिटल मुद्रा का लेन-देन करता है तो ये कंप्यूटर उस डेटा की सत्यता की जांच करते हैं और उसे एक सुरक्षित डिजिटल डायरी में दर्ज कर देते हैं जिसे ब्लॉकचेन कहा जाता है। इस कठिन और खर्चीली प्रक्रिया के बदले में नेटवर्क इन माइनर्स को पुरस्कार के रूप में नई डिजिटल मुद्रा प्रदान करता है जिसे उनकी कमाई माना जाता है। सुनने में यह प्रक्रिया जितनी सरल लगती है, धरातल पर यह उतनी ही चुनौतीपूर्ण है। शुरुआत में माइनिंग को सामान्य कंप्यूटरों के जरिए भी किया जा सकता था लेकिन जैसे-जैसे समय बदला और प्रतियोगिता बढ़ी, इसके लिए विशेष प्रकार के उच्च क्षमता वाले उपकरणों की आवश्यकता होने लगी। आज के दौर में 'एसिक माइनर्स' जैसी मशीनें और भारी-भरकम ग्राफिक्स काड्र्स के बिना माइनिंग की कल्पना करना भी मुश्किल है। इसके साथ ही, ये मशीनें चौबीसों घंटे काम करती हैं जिससे अत्यधिक गर्मी पैदा होती है और बिजली की खपत भी बहुत ज्यादा होती है। यही कारण है कि दुनिया भर में क्रिप्टो माइनिंग को लेकर पर्यावरण और ऊर्जा संसाधनों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर भी बहस छिड़ी रहती है।

भारत जैसे देश में क्रिप्टो माइनिंग की स्थिति पर नजर डालें तो यहाँ की परिस्थितियां मिली-जुली हैं। एक तरफ जहाँ हमारी युवा पीढ़ी इस तकनीक को लेकर बहुत उत्साहित है, वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढाँचे की चुनौतियां और सरकारी कर नीतियां इसकी राह में बड़ी बाधा बनकर उभरी हैं। भारत में क्रिप्टो से होने वाली आय पर लगने वाला भारी टैक्स और बिजली की बढ़ती कीमतें एक व्यक्तिगत माइनर के लिए मुनाफे को कम कर देती हैं। फिर भी, तकनीक के जानकार इसे केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं बल्कि आने वाले समय की सबसे सुरक्षित तकनीक 'ब्लॉकचेन' का आधार मानते हैं।

क्रिप्टो माइनिंग केवल एक तकनीकी प्रक्रिया मात्र नहीं है बल्कि यह भविष्य की उस विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था का प्रतीक है जहाँ शक्ति किसी एक हाथ में न होकर पूरे समुदाय के पास होती है। जैसे-जैसे तकनीक और अधिक उन्नत होगी, संभावना है कि माइनिंग के तरीके भी बदलेंगे और यह अधिक पर्यावरण अनुकूल और सुलभ हो जाएगी। लेकिन फिलहाल, यह उन लोगों के लिए एक साहसिक क्षेत्र है जो तकनीक और जोखिम के बीच संतुलन बनाकर डिजिटल युग के इस नए 'सोने' की खोज में जुटे हैं।

एनआरसी...

अवधेश कुमार

बंगाल में मुस्लिम मतों का रुझान

पश्चिम बंगाल चुनाव का एक प्रमुख विश्लेषण हमेशा मुस्लिम मतों पर केंद्रित रहता है। कई वर्षों से राज्य की सत्ता पर काबिज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की निरंतर विजय में मुस्लिम मतों की प्रमुख भूमिका मानी जाती रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार बंगाल की आबादी करीब 9.13 करोड़ थी, जिसमें मुस्लिम लगभग 2.5 करोड़ थे। इस समय बंगाल की कुल जनसंख्या 10.5 करोड़ से ऊपर होगी, जिसमें मुस्लिम तीन करोड़ से अधिक हो सकते हैं। बंगाल में मुस्लिम बहुल जिले हैं मुर्शिदाबाद-66.3 प्रतिशत, मालदा-51.3, उत्तर दिनाजपुर-50, बीरभूम-37, दक्षिण 24 परगना-35.5 और नादिया-26.7 प्रतिशत। यदि भाजपा जबरदस्त टक्कर देने के बावजूद पिछले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की सत्ता को नहीं हिला पाई तो उसका एक कारण मुस्लिम वोट भी थे। मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर ने असदुद्दीन ओवैसी की एआइएमआइएम से गठबंधन कर उसे आठ सीटें दी हैं। हुमायूं कबीर ने 182 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी के साथ सौ से ज्यादा सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है। पिछली बार फुरफुरा शरीफ के इमाम ने भी अपनी पार्टी बनाकर कांग्रेस और वाम मोर्चा के साथ गठबंधन किया था, पर उनका भी प्रभाव नहीं पड़ा और मुसलमान कुल मिलाकर तृणमूल के साथ ही गए। मुसलमान भाजपा को हराने के लिए मतदान करते हैं।

प्रश्न है कि इस बार मुस्लिम मतों की प्रवृत्ति किस ओर रहेगी? अगर पिछले विधानसभा चुनाव को आधार बनाएं तो मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और साउथ 24 परगना जैसे जिलों में 85 ऐसी सीटें हैं, जिन पर मुस्लिम जनसंख्या 35 प्रतिशत से ज्यादा है। इनमें से 75 सीटें तृणमूल के पास हैं। जितनी आक्रामक होकर तृणमूल मुसलमानों के साथ खड़ी होती है, उससे उनका ध्रुवीकरण उसके पक्ष में बनता है। मुर्शिदाबाद में पिछले वर्ष हिंदू विरोधी भयानक दंगे में जब लोग पलायन करने को मजबूर थे, तब ममता कोलकाता में इमामों और मौलवियों की सभा में दंगों के लिए भाजपा और आरएसएस को दोषी ठहरा रही थीं। बंगाल में सीएए विरोधी आंदोलन के समय भी भारी हिंसा हुई थी, पर ममता सरकार ने उपद्रवियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई नहीं की।

एनआरसी और सीएए का भय दिखाकर ममता मुसलमानों को आभास दिलाती रहती हैं कि उनके सत्ता में रहने से ही वे सुरक्षित हैं। मुसलमानों को साथ रखने के लिए भाजपा का भय उनका बहुत बड़ा अस्त्र है। 2011 के चुनाव में ममता ने सच्चर कमेटी की रिपोर्ट लागू करने का वादा किया था। दो साल बाद उन्होंने घोषणा की कि रिपोर्ट का 90 प्रतिशत हिस्सा लागू किया जा चुका है।

जरा हटके

यह भी सच है कि...

सौरभ वार्ष्णेय

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक पर विपक्ष का विरोध - आशंकाएं और वास्तविकता

भारत में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल देश की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ माने जाते हैं। सीमाओं की सुरक्षा से लेकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाली और आपदा प्रबंधन तक, इन बलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में जब भी इनके ढांचे, सेवा शर्तों या अधिकारों से जुड़ा कोई नया विधेयक या सुधार प्रस्ताव सामने आता है तो स्वाभाविक रूप से व्यापक चर्चा होती है लेकिन हाल के समय में देखा गया है कि विपक्ष इन प्रस्तावों का मुखर विरोध कर रहा है। यह विरोध किन कारणों से प्रेरित है, इसे समझना जरूरी है।

सबसे पहली चिंता संघीय ढांचे (फेडरल स्ट्रक्चर) को लेकर है। विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के माध्यम से राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप बढ़ा सकती है। यदि किसी विधेयक में बलों को अधिक स्वायत्तता या सीधे हस्तक्षेप के अधिकार दिए जाते हैं, तो यह राज्यों की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी को कमजोर कर सकता है। यही कारण है कि कई विपक्षी दल इसे राज्यों के अधिकारों पर अतिक्रमण के रूप में देखते हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा बलों के कर्मियों के अधिकारों और कल्याण से जुड़ा है। विपक्ष का कहना है कि सरकार सुधार के नाम पर अनुशासन और नियंत्रण को तो मजबूत कर रही है, लेकिन जवानों की समस्याओं—जैसे लंबी ड्यूटी, मानसिक तनाव, वेतन विसंगतियां और पेंशन—पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। यदि किसी विधेयक में इन मुद्दों का संतुलित समाधान नहीं होता तो उसका विरोध स्वाभाविक है।

तीसरा पहलू राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका है। विपक्ष को डर है कि सीएपीएफ का इस्तेमाल राजनीतिक विरोध को दबाने या चुनावी लाभ के लिए किया जा सकता है। भारत जैसे लोकतंत्र में सुरक्षा बलों की निष्पक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए किसी भी ऐसे प्रावधान पर सवाल उठना लाजिमी है जो इस निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है।

यह भी सच है कि कई बार विरोध का कारण केवल नीतिगत असहमति नहीं बल्कि राजनीतिक रणनीति भी होती है। संसद में सरकार को घेरने और जनमत को प्रभावित करने के लिए विपक्ष अक्सर ऐसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाता है। इससे बहस तो होती है लेकिन कई बार सार्थक समाधान पीछे छूट जाते हैं। इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सीएपीएफ जैसे संवेदनशील विषय पर निर्णय लेते समय संतुलन और पारदर्शिता बनाए रखी जाए। सरकार को चाहिए कि वह सभी हितधारकों—राज्यों, सुरक्षा विशेषज्ञों और स्वयं बलों के कर्मियों—से व्यापक संवाद करे। वहीं विपक्ष को भी केवल विरोध तक सीमित न रहकर रचनात्मक सुझाव देने चाहिए। सुरक्षा और लोकतंत्र दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है। केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुधारों पर सहमति और संवाद का रास्ता ही देशहित में सबसे उपयुक्त साबित होगा। भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) — जैसे (सीआरपीएफ), (बीएफएफ), (आईटीबीपी), (सीआईएसएफ) और (एसएसबी) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। सीमाओं की रक्षा से लेकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बनाए रखने तक, इन बलों ने लगातार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में देश की सेवा की है। ऐसे में ₹केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक₹ का प्रस्ताव न केवल प्रशासनिक सुधार का विषय है बल्कि यह देश की सुरक्षा संरचना को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम भी माना जा रहा है।

आदमी सद्गुणों से बड़ा बनता हैं

माचिस की एक ही तीली से जैसे कई दिए जल सकते हैं। ऐसे युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी जैसे एक संत जन के सद्गुण इस जग को राह नई दे जाते हैं । मनुष्य जीवन को दुर्लभ बताया गया हैं । चौरासी लाख जीव योनियों में मानव जन्म मिलना मुश्किल और दुर्लभ बताया गया हैं। यह वर्तमान में मानव जीवन हमें उपलब्ध हैं । इस मानव जीवन में जो आदमी धर्म करता हैं , अध्यात्म की साधना करता हैं आदि - आदि उसके लिए यह जीवन धन्य हो जाता हैं । वह कृतार्थ हो जाता हैं । वह उसको बड़ा लाभ इस जीवन से प्राप्त हो सकता हैं । इस मानव जीवन में भी जो आदमी हिंसा, चोरी, धोखाधड़ी आदि पाप कार्य करते हैं । व्यसनों में आदि आसक्त रहते हैं उनको पुनः कब मानव जीवन मिले और कब उसका कल्याण हो यह कहना कठिन हैं । हम मनुष्य के पास पांच इन्द्रियां हैं और मस्तिष्क हैं । वह जो व्यक्ति इस शरीर से साधना कर सकता हैं। वह साधना कोई दूसरा प्राणी नहीं कर सकता हैं । वह जो व्यक्ति साधु बन जाता हैं, परिग्रह को छोड़ देता हैं, हिंसा आदि आश्रवों का त्याग कर दिया वह इस दुनिया का बड़ा आदमी बन जाता हैं । राजनीति, समाज आदि संदर्भों में भी कोई आदमी बड़ा आदमी हो सकता हैं परन्तु जो सद्गुणों से बड़ा हैं यह महत्वपूर्ण बात होती हैं । व्यक्ति में नम्रता, विनय, क्षमाशीलता , आराध्य के प्रति भक्ति होना और स्वभाव आचरण में अच्छा होना बड़े पन के लक्षण हैं । आदमी में जीवन के सद्गुणों का विकास होना चाहिए । सद्गुण हमारी बड़ी संपति है । बच्चा कोरा कागज की तरह होता है, यह एक कोण है, पर दूसरा कोण यह होता है कि वह पीछे से भी लेकर आता है । आचार्य श्री तुलसी व आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी इतनी छोटी उम्र में साधु बन गए व अंतिम समय तक साधुत्व का पालन किया । एक बच्चा अपने पीछे से अच्छे संस्कार लेकर आता है और दूसरा अधर्म व कुसंस्कारों को लेकर आता है । कोई पीछे से अच्छे संस्कार लेकर न आए तो श्याम पट्ट पर लिख पढ़कर अच्छे संस्कार ग्रहण कर सकता हैं । हम क्या पढ़ते है ? उसका भी प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है । जनता की भाषा में अनुवाद हो तो उसका भी असर होता है । सदा अच्छी सामग्री प्राप्त होती रहे । अनुवादक अच्छा हो तो अनुवाद भी प्राणवान बन सकता है व अर्थ भी साकार बन जाता है ।

› प्रदीप छाजेड़

4 महीने की गर्भवती, खिलौना पिस्टल दिखाकर ज्वेलरी लूटी, बॉयफ्रेंड के साथ गिरफ्तार

बुर्का पहनकर लूटने वाली महिला हिंदू निकली

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या में ज्वेलरी शॉप में बुर्का पहनकर लूट करने वाली महिला हिंदू निकली। बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर उसने वारदात की थी। पुलिस ने गुरुवार देर रात दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। महिला का नाम पायल (25) और लड़के का नाम राहुल (27) है।

वारदात के वक्त राहुल ज्वेलरी शॉप से कुछ दूर बाइक लेकर खड़ा था। पायल ने खिलौना पिस्टल यानी नकली पिस्टल दिखाकर दुकान से 3.6 लाख का सोने का हार और चेन लूट ली। फिर भागकर राहुल के पास पहुंची। उसके साथ बाइक से फरार हो गई। आरोपी पायल की पिछले साल 5 अप्रैल को शादी हुई थी। वह 4 महीने की गर्भवती है। पति के साथ पंजाब में रह रही थी। 16 अप्रैल को इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के लिए अयोध्या में मायके आई थी।

गुरुवार दोपहर बुर्का पहनकर पायल ज्वेलरी शॉप पर पहुंची थी। बैठते ही उसने दुकानदार से पानी मांगा।

> शुरुआती जांच में पता चला कि राहुल ने बाजार से नकली पिस्टल और बुर्का खरीदा। पहचान छिपाने के लिए पायल ने बुर्का पहनकर वारदात की। जिस बाइक से दोनों फरार हुए थे, कैमरे में उसका नंबर कैद हो गया था। इसे ट्रेस कर पुलिस आरोपियों तक पहुंची।

बुर्का पहनकर सोने का हार और चेन खरीदने पहुंची थी

रुदौली क्षेत्र के कोठी बाजार मोहल्ला के रहने वाले महेश सर्राफा व्यापारी हैं। उनकी घर से 900 मीटर दूर अग्रवाल कॉम्प्लेक्स में महेश ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। गुरुवार दोपहर को बुर्का पहने एक महिला पहुंची। उसके बाद एक पिट्ठू बैग था। दुकान में पहुंचकर उसने दुकानदार महेश से कहा- मुझे सोने का हार और चेन खरीदनी है। महेश ने उसके सामने एक सोने का हार और सोने की चेन रख दी। इसके बाद महिला ने महेश से पानी मांगा। महेश ने दुकान में काम करने वाले अंकित कुमार को पानी और समोसा लाने के लिए भेज दिया। कुछ देर बाद अंकित समोसा और पानी लेकर आ गया। मगर पायल ने समोसा खाने से मना कर दिया। पानी की बोतल ले ली। महेश ने महिला से समोसा खाने को कहा तो उसने कहा- मैं समोसा नहीं खाती हूं। मेरे लिए मिठाई मंगवा दीजिए। महेश ने अंकित को बर्फी लेने भेज दिया। वह बर्फी लेने चला गया। इस दौरान दुकान के कर्मचारी मनीराम ने हार और चेन को उठाकर काउंटर पर रख दिया। तभी महिला खड़ी हुई और दुकान के अंदर इधर-उधर घूमने लगी।

ADG जोन लखनऊ प्रवीण कुमार ने बताया-दोनों अयोध्या से बाहर भागने की फिराक में थे। तभी गिरफ्तार कर लिया गया।

ज्वेलरी शॉप के बाहर तक दुकानदार और कर्मचारी मनीराम ने महिला का पीछा किया था।

कमर से पिस्टल निकाली, बोली- आगे बढ़े तो गोली मार दूंगी

दुकानदार महेश ने उसे टोका तो उसने अपनी कमर से पिस्टल निकाल ली। महेश की ओर तानकर बोली- आगे बढ़े तो गोली मार दूंगी। इसके बाद वह दुकान के बाहर भाग गई। महेश और मनीराम ने शोर मचाते हुए उसका पीछा किया था। वह दुकान से निकलकर पैदल भागी और कुछ दूरी पर बाइक लेकर खड़े युवक के साथ फरार भाग गई।

मथुरा ट्रांसपोर्ट नगर में 3 करोड़ की सड़क निर्माण योजना पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। बृज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति (रजि.) उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने मथुरा ट्रांसपोर्ट नगर में प्रस्तावित 3 करोड़ रुपये की सड़क निर्माण योजना में संभावित घोटाले की शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री से की है।

विनोद दीक्षित द्वारा मुख्यमंत्री को भेजे गए प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि ट्रांसपोर्ट नगर का मुख्य मार्ग कई वर्षों से अत्यंत जर्जर स्थिति में है, जिससे आम जनता, वाहन चालकों एवं व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (ट्विटर) पर शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसे स्थानीय मीडिया ने भी प्रमुखता से प्रकाशित किया। शिकायत के बाद संबंधित विभाग द्वारा मौके पर एक शिलान्यास पट्टिका लगा दी गई, जिस पर जनपद के सांसद, विधायक एवं एमएलसी के नाम

अंकित हैं। पट्टिका के अनुसार 300 लाख (3 करोड़ रुपये) की लागत से दिनांक 16 अगस्त 2025 को सड़क निर्माण दर्शाया गया है।

हालांकि, जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल विपरीत है। दीक्षित के अनुसार, आज तक न तो सड़क का निर्माण कराया गया है और न ही किसी प्रकार का मरम्मत कार्य हुआ है। सड़क अब भी बदहाल स्थिति में है, जिससे वित्तीय अनियमितता और घोटाले की आशंका जताई जा रही है। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा क्षेत्र में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगाए जाने तथा मृत पशुओं को फेंके जाने की भी शिकायत की गई है, जिससे क्षेत्र में दुर्गंध और अस्वच्छता का माहौल बना हुआ है और जनस्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

फास्ट न्यूज

सपा नेता अरविंद सिंह गोप का जन्मदिन मनाया गया

बाराबंकी। बाराबंकी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर उनके आवास और शहर को बैनर, होर्डिंग तथा झंडों से सजाया गया था। जन्मदिन समारोह में पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि उन्हें बधाई तभी दी जाए जब 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाया जाए।

सफारी सवारों ने इंजीनियरिंग छात्र को पीटा

प्रयागराज। प्रयागराज में सफारी सवार युवकों एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र को बीच सड़क पर घेरकर पिटाई कर दी। इस दौरान मौके पर काफी भीड़ जुट गई। छात्र किसी तरह से अपनी जान बचाकर मौके से भागा। हालांकि घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी गई। घटनास्थल पर छात्र की बाईक भी सफारी से आए लोग उठा ले गए। इस दौरान करीब एक घंटे तक सड़क पर अफरा तफरी मची रही। बताया जा रहा है कि छात्र और एक नई युवक की बाइक आपस में टकराने के बाद विवाद शुरू हुआ था। जिसके बाद छात्र और बाइक सवार युवक के बीच मारपीट शुरू हो गई थी।

भाभी ने गंगाजल लेकर कसम खाई, प्रेमी ने गला रेता

गोरखपुर। गोरखपुर में महिला की गला रेतकर हत्या मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, महिला खुशबू (28) और हत्यारोपी सीताराम (28) के बीच अफेयर था। खुशबू के घरवालों को जानकारी हुई तो उन्होंने दोनों को समझाया। 3 बार पंचायत भी हुई। सीताराम का घर खुशबू के घर से महज 500 मीटर की दूरी पर है।

औद्योगिक इकाईयों में छापे डालकर यूरिया प्रयोग की जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । विभिन्न औद्योगिक इकाईयों द्वारा चिन्हित उत्पाद-प्लाई-वुड, पशुआहार, मुर्गी दाना, बर्तन धोने वाला साबुन, चीनी मिल एल्कोहल बनाने, डीजल एग्जॉट फ्लूइड (डी0ई0एफ0) आदि सम्बन्धित उत्पाद के निर्माण में उपयोग हेतु अनुदानित यूरिया का नाइट्रेजिनस कम्पाउण्डस अथवा टेक्निकल ग्रेड यूरिया (टी0जी0यू0) या फार्मेल्डीहाइड यूरिया के स्थान पर डायवर्जन कर रा-मैटेरियल के रूप में प्रयोग के सम्बन्ध में जांच हेतु शासन द्वारा प्राप्त निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी, बाराबंकी द्वारा कृषि, उद्योग केन्द्र एवं गन्ना विभाग के अधिकारियों की गठित संयुक्त टीम द्वारा इसी सप्ताह जनपद के कुल 12 औद्योगिक इकाईयों में छापे डालकर यूरिया प्रयोग की जांच की गयी।

तहसील-नवाबगंज में धीरेन्द्र सिंह उप कृषि निदेशक, बाराबंकी द्वारा श्रीमती रेखा श्रीवास्तव, सहायक

आयुक्त, जिला उद्योग केन्द्र-बाराबंकी द्वारा कुल 03 औद्योगिक इकाईयां दयाल इण्डस्ट्रीज, सत्यम इण्डस्ट्रीज, मो0पुर चौकी एवं श्याम टिम्बर, संदौली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दयाल इण्डस्ट्रीज मो0पुर चौकी में टेक्निकल ग्रेड यूरिया मात्रा-118.653 मी0टन स्टाक उपलब्ध पाया गया, जिसमें से 01 नमूना ग्रहित किया गया। तहसील-फतेहपुर में राजिराम, जिला कृषि अधिकारी, बाराबंकी द्वारा श्रीमती ऐश्वर्या गिरी, सांख्यिकीय निरीक्षक, जिला उद्योग केन्द्र के साथ कुल-06 औद्योगिक इकाईयां अमरधन, सोना गोल्ड एग्रोकेन, महाराष्ट्रा फीड्स, एस0एम0बी0डी0, सी0पी0 मिल्क, विनी टिम्बर का निरीक्षण किया गया।

आरएसएस के सह प्रचार प्रमुख बोले-समाज में शिक्षा, सुरक्षा और विकास के लिए काम करता है, पंच परिवर्तन अभियान चलेगा

'संघ किसी का विरोधी नहीं'

संवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (कानपुर प्रांत) की ओर से शहर के एक होटल में मीडिया संवाद कार्यक्रम रखा गया। अखिल भारतीय सह-प्रचार प्रमुख नरेन्द्र ठाकुर ने संघ के 100 साल पूरे होने और आगामी "पंच परिवर्तन" अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि संघ ने समाज सेवा के 100 साल पूरे कर लिए हैं। विजयदशमी 2025 तक देशभर में किए गए कामों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। हिंदू सम्मेलन कर और घर-घर संपर्क कर लोगों को संगठन की गतिविधियों, सेवा कामों की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा- संघ

मीडिया से संवाद करते सह-प्रचार प्रमुख नरेन्द्र ठाकुर।

किसी का विरोधी नहीं है, बल्कि समाज में शिक्षा, सुरक्षा और विकास के लिए कार्य करता है।

संघ ने शताब्दी वर्ष के बाद "पंच परिवर्तन" के तहत पांच प्रमुख विषयों पर काम करने की योजना बनाई है-

सामाजिक समरसताः जाति-धर्म से ऊपर उठकर एकता का संदेश, मंदिर, श्मशान और जलस्रोत सभी के लिए समान रूप से खुले रखने का प्रयास।

कुटुंब प्रबोधनः परिवार व्यवस्था को मजबूत करना, संस्कार और मूल्यों के संरक्षण पर जोर।

पर्यावरण संरक्षणः पेड़ लगाना, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली को बढ़ावा देना।

स्वाधारित जीवन शैलीः स्वदेशी, स्वराज और स्वभाषा को अपनाने के लिए प्रेरित करना।

नागरिक कर्तव्यः लोगों को अपने दायित्वों के प्रति जागरूक कर देश के विकास में भागीदारी सुनिश्चित करना।

कार्यक्रम में संघ पदाधिकारियों ने कहा कि इन पांच बिंदुओं के माध्यम से समाज में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन लाने का लक्ष्य रखा गया है।

हर वर्ग से संवाद, संगठन का विस्तार

उन्होंने कहा कि देशभर में विभिन्न संवाद कार्यक्रमों के जरिए हर वर्ग के लोगों से संपर्क स्थापित किया गया। संघ ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की है और सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया है।

मीडिया से बातचीत में नरेन्द्र ठाकुर ने कहा कि संघ किसी का विरोधी नहीं है, बल्कि समाज में शिक्षा, सुरक्षा और विकास के लिए कार्य करता है। उन्होंने 1948 में लगे प्रतिबंध और 1975 के आपातकाल के दौरान संघ पर लगी रोक का भी उल्लेख किया।

देशभर में एक लाख से ज्यादा शाखाएं

उन्होंने बताया कि देशभर में 55 हजार से अधिक दैनिक शाखाएं और 32 हजार से ज्यादा साप्ताहिक शाखाएं संचालित हो रही हैं। इस तरह एक लाख से अधिक शाखाओं के माध्यम से संघ का कार्य जारी है। इसके अलावा 32 सहयोगी संगठन सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

दो बच्चों के साथ महिला नदी में कूदी

मासूम की मौत, ग्रामीणों ने मां-बेटे को बचाया, पति से झगड़े के बाद उठाया कदम

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा । गोंडा जिले के खोण्डारे थाना क्षेत्र के बैजपुर गांव में एक महिला ने आत्मघाती कदम उठाते हुए अपनी डेढ़ वर्षीय मासूम बच्ची को नदी में फेंक 4 वर्षीय बेटी को गोद में लेकर कुआनो नदी में छलांग लगा दी है। इस घटना में डेढ़ वर्षीय बच्ची की डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने महिला और उसके चार वर्षीय बेटे को बचा लिया खोण्डारे पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, 30 वर्षीय सोनम का अपने पति मदनलाल से पारिवारिक विवाद हुआ था। विवाद के बाद देर रात सोनम अपने दो बच्चों, डेढ़ वर्षीय अंशी और चार वर्षीय आयुष, के साथ राजघाट पुल

पहुंची। वहां उसने पहले बच्ची अंशी को नदी में फेंका, फिर बेटे आयुष को गोद में लेकर खुद छलांग लगा दी। उसी समय वहां से गुजर रहे दो राहगीरों ने यह देखा और तुरंत नदी में कूदकर महिला व उसके बेटे को बचाया। बचाई गई सोनम और आयुष को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। दोनों का इलाज जारी है। हालांकि, डेढ़ वर्षीय बच्ची अंशी पानी के तेज बहाव में बह गई थी। शुक्रवार सुबह उसका शव घटनास्थल से लगभग ढाई

> खोण्डारे थाना अध्यक्ष कृष्ण गोपाल राय ने बताया कि महिला ने घरेलू विवाद के कारण राजघाट पुल से कुआनो नदी में छलांग लगाई थी। स्थानीय लोगों ने महिला और उसके बेटे को बचा लिया, जिनका इलाज चल रहा है। बच्ची का शव आज लगभग 3 किलोमीटर दूर खलगवां के पास मिला है। पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्वाई की जाएगी।

किलोमीटर दूर खोण्डारे पुलिस ने बरामद किया। खोण्डारे पुलिस ने बच्ची के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अब गोंडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती सोनम से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता चल सके कि उसने किन घरेलू विवादों के चलते इतना बड़ा कदम उठाया।

एआईसीटीई आईडीई बूटकैंप का तीसरा संस्करण 6 अप्रैल से शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) के तत्वावधान में इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में इनोवेशन, डिजाइन और उद्यमिता (आईडीई) बूटकैंप के तीसरे संस्करण का आयोजन 6 अप्रैल 2026 से किया जाएगा। यह पांच दिवसीय रेजिडेंशियल कार्यक्रम 6 से 10 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगा, जिसका उद्देश्य देशभर के विद्यार्थियों में नवाचार, डिजाइन थिंकिंग और उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देना है।

संस्थान के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने बताया कि आईडीई बूटकैंप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य छात्रों में नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता की भावना को विकसित करना है। उन्होंने कहा

कि यह कार्यक्रम सरकार की नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और भारत को नवाचार-आधारित उद्योगों का वैश्विक केंद्र बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

कार्यक्रम का उद्घाटन एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. योगेश सिंह,सदस्य सचिव डॉ. श्यामा राठ की उपस्थिति में, एआईसीटीई मुख्यालय नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से किया जाएगा।

संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) देवेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि यह बूटकैंप देशभर के 13 प्रमुख स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है, जिनमें इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज एक प्रमुख केंद्र है। उन्होंने जानकारी दी कि वाधवानी फाऊंडेशन इस कार्यक्रम का नॉलेज पार्टनर है, जो विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा, जबकि एसबीआई आयोजन सहयोगी के रूप में योगदान दे रहा है।

शराब माफिया मनोज जायसवाल की करोड़ों की संपत्ति हुई कुर्क

सहारनपुर डिस्टलरी कांड से जुड़ा 35 करोड़ का घोटाला

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । यूपी के चर्चित शराब कारोबारी और माफिया मनोज जायसवाल पर प्रशासन का शिकंजा कसता जा रहा है। सहारनपुर के टपरी डिस्टलरी कांड और करोड़ों की टैक्स चोरी के मामले में जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर बरेली प्रशासन ने कार्रवाई की है।

पुलिस और राजस्व टीम ने बारादरी और इज्जतनगर थाना क्षेत्र में उसकी संपत्तियां कुर्क की हैं। हरुनगला स्थित कीमती प्लॉट समेत कई संपत्तियों पर ढोल-नगाड़ों के साथ मुनादी कर जब्ती का बोर्ड लगा दिया गया।

मामला सहारनपुर की को-ऑपरेटिव लिमिटेड कम्पनी (टपरी डिस्टलरी) है। जांच में सामने आया कि मनोज जायसवाल, नीरज

जायसवाल और उनके गिरोह ने महज 11 महीनों में 35 करोड़ रुपए की एक्साइज ड्यूटी की चोरी की थी। गिरोह ने फैक्ट्री के गेट से एक ही गेट-पास पर शराब के दो-दो ट्रक निकालने, जीपीएस (GPS) और सीसीटीवी (CCTV) जैसे तकनीकी उपकरणों से छेड़छाड़ करने और दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर सरकार को राजस्व की भारी चपत लगाई। इसी काली कमाई से गिरोह ने अपने और परिवार के नाम पर बेहिसाब संपत्तियां खड़ी की।

बरेली से लेकर लखनऊ तक मुकदमों का जाल

मनोज जायसवाल और उसके करीबियों का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है।मनोज और उसके भाई नीरज पर लखनऊ एसआईटी (SIT) में धोखाधड़ी, जालसाजी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।

सहारनपुर के थाना जनकपुरी में गिरोह के सरगना प्रणय अनेजा, मनोज जायसवाल, नीरज जायसवाल और अजय जायसवाल सहित अन्य पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इनके खिलाफ कानपुर के गोविंद नगर थाने में भी आबकारी अधिनियम और धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं।

दुर्घटना : बाइक को डंपर ने ठोकर मारी, शादी समारोह से लौट रहे थे 3 लोग

मैनपुरी में चाचा-भतीजे को 20 मिनट रौंदती रहीं गाड़ियां, मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

मैनपुरी। मैनपुरी में डंपर ने बाइक सवार चाचा-भतीजा समेत तीन लोगों को रौंद दिया। चाचा-भतीजा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दोनों के शव सड़क पर ही पड़े रहे। करीब 20 मिनट तक दोनों शवों के ऊपर से गाड़ियां गुजरती रहीं।

गांववालों की सूचना पर पुलिस पहुंची। बुरी तरह से कुचल चुके शवों को किसी तरह समेटा गया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। जबकि गंभीर हालत में युवक को अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

घटना गुरुवार रात 10.30 बजे किशनी थाना के NH-92 पर

सड़क हादसे में चाचा भतीजे समेत तीन की मौत ।

पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास की है। बाइक सवार तीनों किशनी थाना के जटपुरा गांव में एक शादी समारोह में गए थे। लौटते हुए रास्ते में हादसा हुआ। मृतक कन्नौज जिले के छिबरामऊ के रहने वाले थे।

कन्नौज जिले के रहने वाले मोहम्मद वसीम (34), सत्तार (50) और आफताब (35) गुरुवार को मैनपुरी में एक शादी में शामिल होने गए थे। वसीम और सत्तार चाचा-भतीजे थे, जबकि आफताब उनका पड़ोसी था। शादी में शामिल होने के बाद रात करीब साढ़े दस बजे तीनों घर लौट रहे थे। वे एनएच-92 ग्वालियर-बरेली हाइवे पर किशनी के पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास पहुंचे थे, तभी एक डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी।

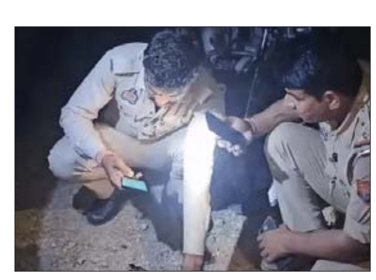

पुलिस ने घायल के फोन से नंबर निकालकर परिजन को घटना की सूचना दी।

> किशनी थानाध्यक्ष छत्रपाल सिंह ने कहा तीन मौतों के मामले में अज्ञात वाहन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

डंपर की टक्कर से आफताब कई फीट उछलते हुए सड़क के किनारे जा गिरा

डंपर की टक्कर से आफताब कई फीट उछलते हुए सड़क के किनारे जा गिरा। जबकि वसीम और सत्तार सड़क पर गिरे और डंपर उनको रौंदते हुए निकल गया। टक्कर की आवाज सुनकर कॉलेज गार्ड कुलदीप सिंह दौड़े हुए पहुंचा। देखा सड़क पर दो लाशें खून से लथपथ पड़ी है। एक डंपर उनको रौंदते हुए तेजी से भागा था। जबकि सड़क किनारे एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा था। गार्ड ने तत्काल डॉयल 112 पर सूचना दी। उधर, आवाज सुनकर गांव के अन्य लोग भी दौड़े पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार, करीब 20 मिनट तक लाशें सड़क पर पड़ी रहीं और गाड़ियां उनको रौंदती रहीं। गांववालों ने गाड़ियों को रोकने की कोशिश की लेकिन कोई रूका नहीं। करीब 20 मिनट बाद पुलिस आई। शव बुरी तरह कुचल चुके थे और सड़क पर काफी हिस्सा चिपका हुआ था।

शादी में मिले जेवर बेचकर शूटर को 6 लाख दिए, 14 साल पहले हुई थी शादी

पत्नी ने सुपारी देकर कराई बीएसएफ जवान की हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में बीएसएफ के जवान की हत्या उसकी पत्नी ने सुपारी देकर कराई थी। इसमें उसके बॉयफ्रेंड ने साथ दिया था। बॉयफ्रेंड ने अपने 3 दोस्तों को 6 लाख रुपए में जवान की हत्या की सुपारी दी थी। ये रुपए पत्नी ने अपने जेवर बेचकर दिए थे। इसी पैसों से उसने तमंचा भी खरीदा था। बॉयफ्रेंड बीएसएफ जवान का मौसेरा भाई है। उसके और जवान की पत्नी के बीच अवैध संबंध थे। दोनों शादी करना चाहते थे। लेकिन, बीएसफ जवान इसका विरोध कर रहा था। इसके चलते पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर जवान की हत्या की प्लानिंग की। 27 मार्च की देर रात बॉयफ्रेंड ने जवान की हत्या करा दी। पुलिस ने पत्नी कोमल और बॉयफ्रेंड गुलशन समेत 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया। इस दौरान कोमल बेहाश होकर जमीन पर गिर पड़ी। मामला इंचौली थाना क्षेत्र का है। धनपुर गांव में रहने वाले गरीबदास का बेटा नैन सिंह (38) सीमा सुरक्षा बल (BSF) में कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात था।

पुलिस के सामने जुर्म कबूला, बोली- शादी करना चाहते थे

यह नंबर नैन सिंह के मौसी के बेटे गुलशन का था। इसके बाद पुलिस ने गुलशन को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गुलशन ने बताया- मेरे कोमल से अवैध संबंध हो गए थे। विरोध नैन सिंह इसका करता था। यही नहीं, जबसे हमारे अफेयर के बारे में नैन सिंह को पता चला था, वह कोमल के साथ मारपीट करने लगा था। एक दिन नैन सिंह पत्नी कोमल को पीट रहा था, तब मैंने बीच-बचाव किया।

पुलिस ने जब पत्नी को मीडिया के सामने पेश किया, तो वह कुछ ही देर में वह बेहोश हो गई।

मौसेरे देवर से था जवान की पत्नी का अफेयर

एसएसपी अविनाश पांडे ने बताया- घरवालों ने पहले पड़ोसी पर हत्या का शक जताया था, क्योंकि नैन सिंह के परिवार का उनसे जमीन को लेकर झगड़ा चल रहा था। पुलिस ने 4 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो पता चला कि वारदात के वक्त सभी अपने काम पर गए थे।

इसके बाद पुलिस ने अन्य पहलुओं पर जांच शुरू की। एक एंगल पति-पत्नी के बीच मनमुटाव वाला भी था। छानबीन में पता चला था कि नैन सिंह अपनी पत्नी कोमल के साथ मारपीट करता था। वारदात के समय कोमल अपने मायके फाजलपुर में थी।

पुलिस ने कोमल की कॉल डिटेल खंगाली, तो कई संदिग्ध नंबर सामने आए। इसके बाद कोमल की वारदात वाले दिन जिस नंबर पर सबसे अधिक बार बात हुई, उसे खोज निकाला।

गोवर्धन में मजार को क्षति पहुंचाने वाली महिला गिरफ्तार

पुलिस ने अडींग बाईपास से किया गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना गोवर्धन पुलिस ने मजार को क्षतिग्रस्त करने के मामले में एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई शुक्रवार को दोपहर 12:45 बजे अडींग बाईपास क्षेत्र से की गई।

पुलिस के अनुसार, 24 फरवरी 2026 की रात्रि में बृजेश्वरी धाम धर्मशाला के बाहर बने तबूतरे पर स्थित एक छोटी मजार को क्षति पहुंचाने की घटना सामने आई थी। इस संबंध में थाना गोवर्धन में बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपित महिला को चिन्हित करते हुए अडींग बाईपास से हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्ता के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार महिला के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें धोखाधड़ी, सरकारी कार्य में बाधा एवं अन्य गंभीर धाराएं शामिल हैं।

इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अहम भूमिका निभाई। टीम में अति. निरीक्षक मनोज कुमार उज्ज्वल, उपनिरीक्षक हरेन्द्र मलिक, महिला उपनिरीक्षक विनय बौद्ध तथा कांस्टेबल प्रीत कुमार और राहुल बाल्यान शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फास्ट न्यूज

रस्साकशी के बाद भाजपा आगरा की जिला कार्यकारिणी घोषित

आगरा । भाजपा की बहुप्रतीक्षित आगरा की जिला कार्यकारिणी गुरुवार देर रात घोषित हो गई। 85 सदस्यों वाली इस कार्यकारिणी में 28 पदाधिकारी हैं। इसमें महामंत्री का एक पद अब भी रिक्त रह गया है। 28 पदाधिकारियों में 8 उपाध्यक्ष, 3 में से 2 महामंत्री, 8 जिला मंत्री, एक-एक कोषाध्यक्ष व सह कोषाध्यक्ष, एक-एक जिला कार्यालय मंत्री व जिला सह कार्यालय प्रभारी, जिला मीडिया प्रभारी व 3 जिला सह मीडिया प्रभारी, एक जिला आईटी संयोजक शामिल हैं।

दादानगर में बिजली कनेक्शन कटे

कानपुर । कानपुर के दादानगर केस्को बिजली सब स्टेशन पर गरूवार दोपहर 6 हजार उपभोक्ताओं की बिजली कट गई। लोग सब स्टेशन पहुंच गए। भीड़ में मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि बिल जमा होने के बाद भी बिजली काट दी गई। मौके पर स्थानीय विधायक सुरेन्द्र मैथानी पहुंच गए।

नाराज हुए विधायक ने अधिकारी को फोन कर तुरंत सप्लाई शुरू कराने को कहा। 20 मिनट में बिजली सप्लाई शुरू कराओ। उन्होंने अधिकारी से कहा कि निगेटिव बैलेंस होने का मैसेज भेजने के बाद ही बिजली काटी जाए। फिलहाल अभी सभी की बिजली सप्लाई शुरू करा दी जाए।

आकाशीय बिजली गिरने से पति-पत्नी की मौत

वाराणसी । वाराणसी के सिंधौरा थाना क्षेत्र के भदेवली गांव में शुक्रवार को दर्दनाक हादसे में दंपति की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक रमेश चंद्र भारती (58 वर्ष) जूनियर हाई स्कूल सिंधोरा में अध्यापक के पद पर कार्यरत थे।

ग्राम सिहोरा में रागिनी महोत्सव में उमड़ा जन सैलाब

भाकियू अन्नदाता ने सभी आगंतुकों का किया भव्य स्वागत

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद के ग्राम सिहोरा में रागिनी महोत्सव एवं सम्मान समारोह का अत्यंत भव्य एवं आकर्षक आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से आए लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा गांव सांस्कृतिक रंगों में सराबोर नजर आया और देर रात तक कार्यक्रम में लोगों की भीड़ उमड़ी रही। कार्यक्रम के संयोजक भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान रहे।

कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध रागिनी कलाकार नरदेव बेनीवाल एवं उनकी टीम की प्रस्तुतियां रहीं। उनकी सुमधुर आवाज और पारंपरिक रागिनियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लिया। रागिनी के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक संदेश भी प्रस्तुत किए गए, जिन्हें लोगों ने खूब सराहा।

इस अवसर पर अपने संबोधन में भूरा पहलवान ने कहा कि रागिनी हमारी प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। ऐसे आयोजनों से न केवल हमारी परंपराएं जीवित रहती हैं, बल्कि नई पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति और लोक कला के प्रति जागरूकता मिलती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में एकता और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।

सर्राफ को लूटने वालों का एनकाउंटर

2 को पैर में लगी गोली, तीसरे को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में सर्राफ से लूट करने वाले 3 बदमाशों को पुलिस ने 24 घंटे में एनकाउंटर में पकड़ लिया। मुठभेड़ में पुलिस ने दो बदमाशों के पैर में गोली मारकर दबोच लिया, जबकि एक को दौड़ाकर अरेस्ट किया।

तीनों लुटेरों ने बुधवार रात ग्वालटोली में एक सर्राफ से लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से लुटेरों की पहचान करने के बाद मुठमेड़ में अरेस्ट कर लिया। अब शुक्रवार दोपहर को तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा।

पुलिस ने दो बदमाशों के पैर में गोली मारकर दबोचा, जबकि एक को दौड़ाकर अरेस्ट कर लिया। तीनों ने पूछताछ में अपना नाम उस्मान कॉलोनी, गम्मू खां का हात निवासी सारिक हुसैन, अजमेरी चौराहा के पास चमनगंज निवासी कामरान के पैर में गोली मारकर दबोच लिया।

कानपुर में सर्राफ से लूट करने के तीनों बदमाशों को पुलिस ने गुरुवार देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

कामरान मूल रूप से फतेहपुर ललौली के सर्वोदय गांव का रहने वाला है। जबकि तीसरे शातिर लुटेरे शाहिद अफरीदी को पुलिस ने घेरकर दबोच लिया। पूछताछ के दौरान तीनों ने लूट की वारदात कुबूल की है। तीनों के पास से तमंचा, कारतूस और लूट का माल बरामद हुआ है। प्राथमिक उपचार के लिए पुलिस ने सारिक और कामरान को प्राथमिक उपचार के लिए हैलट में एडमिट कराया है।

डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया-सर्राफ से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन लुटेरों से पुलिस की मुठभेड़ हुई है। पुलिस ने तीनों को अरेस्ट कर लिया है। शुक्रवार दोपहर को तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा।

ग्वालटोली में सर्राफ से तीनों बदमाशों ने की थी लूट

कर्नलगंज थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनीत कुमार ने बताया- 1 अप्रैल की रात को थाना ग्वालटोली क्षेत्र के लाल इमली चौराहे के पास रामू केसरवानी (सुनार) से लूट की वारदात हुई थी। सर्राफ रोज की तरह अपनी दुकान बंद करने के बाद बेकनगंज से घर जा रहे थे। तभी स्कूटी सवार 3 बदमाशों ने पीछा करके उन्हें रोक लिया। इसके बाद तमंचा लगाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। लूट की वारदात के बाद कर्नलगंज पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के जरिए तीनों बदमाशों की शिनाख्त की और गुरुवार रात को फिर से ग्वालटोली इलाके में लूट के इरादे से निकले बदमाशों को पुलिस ने घेर लिया। पुलिस को देखते ही तीनों ने सीधे पुलिस फोर्स पर फायर झोंक दिया।

नौकरी न मिलने से परेशान युवक ने जान दी

कानपुर। कोहना में नौकरी न मिलने के तनाव में युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी। सुबह दूध देने पहुंचे दूधिया ने शव लटका देखकर सन्न रह गया और घटना की जानकारी परिजनों को दी। हादसे की जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम भेजा। आर्यनगर निवासी 35 वर्षीय विभोर मेहरा करीब दो माह से बेरोजगार थे। काफी प्रयास के बाद नौकरी नहीं मिली, जिससे तनाव में रह रहे थे। शुक्रवार सुबह उन्होंने दरवाजे की चौखट से फंदे पर लटककर जान दे दी। सुबह दूधिया जब दूध देने आया तो उसने फंदे से शव लटका देखा, जिसकी सूचना परिजनों को दी।

परिवार में पत्नी शिखा, एक बेटी शिवि और मां ऊषा हैं। फुफेरी बहन कजरी ने बताया कि विभोर फिरोजाबाद स्थित एक कंपनी में सेल्स एग्जीक्यूटिव थे। कुछ दिन पहले उनका तबादला गुड़गांव के लिए हुआ था। विभोर ने वहां जाने की असमर्थता जताई थी।

यूपीपीसीएस 2024 की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीसीएस) 2024 की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करने वाले सूरतगंज क्षेत्र के होनहार छात्र सत्येंद्र प्रताप सिंह का बीआरजी पब्लिक इंटर कॉलेज, बरैय्या में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार में हर्ष और गौरव का माहौल देखने को मिला। सरसवां गांव निवासी सत्येंद्र प्रताप सिंह ने यूपीपी-सीएस परीक्षा में डीएफएमओ (जिला खाद्य विपणन अधिकारी) पद पर पहली रैंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं में भी नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ है। सत्येंद्र के पिता योगेंद्र प्रताप सिंह एक साधारण किसान हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपने बच्चों की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। उनके बड़े भाई अपुल कुमार सिंह वर्तमान में जिला निर्वाचन कार्यालय, पंचायत एवं नगरीय निकाय, सुल्तानपुर में कार्यरत हैं। दोनों भाइयों ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बीआरजी पब्लिक इंटर कॉलेज से ही प्राप्त की और आगे की पढ़ाई रामनगर पीजी कॉलेज से पूरी करने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुट गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार वर्मा ने सत्येंद्र प्रताप सिंह, उनके भाई अपुल कुमार सिंह तथा उनके पिता योगेंद्र प्रताप सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सत्येंद्र की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

कानपुर में कांग्रेस का प्रदर्शन महंगी किताबों और ड्रेस को लेकर विरोध

कानपुर। कानपुर शहर में बढ़ती महंगी शिक्षा व्यवस्था और निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों पर डाले जा रहे आर्थिक बोझ के विरोध में शुक्रवार को शहर कांग्रेस कमेटी ने जोरदार प्रदर्शन किया। जीआईसी चौराहा, चुन्नीगंज पर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने 'शिक्षा का व्यवसायीकरण बंद करो' लिखे पोस्टर जलाकर नाराजगी जताई। इसके बाद चुन्नीगंज चौराहे से जीआईसी चौराहे तक पदयात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने आरोप लगाया कि निजी स्कूल अभिभावकों को महंगी किताबें, ड्रेस और स्टेशनरी खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई स्कूलों में 9 हजार रुपए तक के बुक सेट थोपे जा रहे हैं, जबकि इसके लिए कोई स्पष्ट मानक तय नहीं है।

हनुमान जयंती पर बालाजी आश्रम से निकाली गई भव्य शोभायात्रा

राजस्थानी नृत्य रहा आकर्षण का केंद्र

तमसा संकेत, संवाददाता

चौमुहां। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर कस्बे में स्थित प्राचीन बालाजी आश्रम से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भक्ति और उत्साह से सराबोर इस यात्रा में युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 'जय श्री राम' और 'बजरंग बली की जय' के उद्घोष से पूरा कस्बा राममय हो गया। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण ऊंट के ऊपर किया गया पारंपरिक राजस्थानी नृत्य रहा, जिसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। यात्रा में सबसे आगे चल रहे गोरिल्ला और घोड़ी के नृत्य ने बच्चों का मन मोह लिया। हनुमान जी की मनमोहक झांकी के पीछे चल रहे श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते नजर आए।

बालाजी आश्रम से शुरू हुई यह भव्य शोभायात्रा बिहारी जी मंदिर, गोपाल जी मंदिर, मुख्य बाजार, जुझार तकिया, दाऊद और मारूफ मोहल्ला होते हुए वापस बालाजी आश्रम पर जाकर संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

शोभायात्रा को सफल बनाने में प्रमुख रूप से कालू पहलवान, अजय पहलवान और अन्य गणमान्य लोगों का विशेष सहयोग रहा। व्यवस्थाओं को संभालने के लिए स्थानीय युवा और सेवादार पूरी तरह मुस्तैद रहे। देर शाम तक चले इस आयोजन ने कस्बे के वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से चेयरमैन प्रतिनिधि कारे बाबा कालू पहलवान शिवराम राधे श्याम अजय पहलवान चन्दर राहुल गनपत, लाखन, सोनू,नरेश ,सोनू डॉक्टर,यतेंद्र कान्हा, डिग्गो, रूप सिंह, रामवीर, तेजपाल आदि उपस्थित रहे ।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरान की मिडिल ईस्ट...

इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और पुल पूरी तरह तबाह हो गया।

यह पुल इसी साल शुरू हुआ था और इसे मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा पुल माना जाता था। करीब 1050 मीटर लंबे और 136 मीटर ऊंचे इस पुल को बनाने में लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3,800 करोड़) खर्च हुए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा है कि अगर उन्हें थोड़ा और समय मिल जाए, तो अमेरिका आसानी से होर्मुज स्ट्रेट को खोल सकता है। इसके बाद तेल पर कब्जा करके अकूत दौलत कमा सकते हैं। यह पूरी दुनिया के लिए एक सोने की खान साबित होगी। उधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कहा है कि उनका देश अमेरिका के साथ मिलकर ईरान पर हमले जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच पूरा तालमेल है और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

नेतन्याहू ने यह भी दावा किया कि इजराइल ने ईरान को काफी कमजोर कर दिया है। उनके मुताबिक, अब तक ईरान की करीब 70% स्टील उत्पादन क्षमता खत्म की जा चुकी है, जिससे उसकी ताकत पर बड़ा असर पड़ा है।

कुवैत ने कहा है कि शुक्रवार को हुए ईरानी हमले में एक पावर और डीसैलि-नेशन (समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाला) प्लांट के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत शुक्रवार को करीब 8% बढ़कर 109 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई।

युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक तेल की कीमतों में लगभग 50% तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। इसका असर दुनियाभर में ईंधन की कीमतों पर पड़ रहा है, जिससे कई देशों को ऊर्जा बचाने के उपाय लागू करने पड़ रहे हैं।

इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में ईरान के साथ चल रहे युद्ध के कारण 148 घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इसके साथ ही कुल अस्पताल में भर्ती लोगों की संख्या 6,500 से ज्यादा हो गई है। इन आंकड़ों में सैनिक और आम नागरिक दोनों शामिल हैं।

इजराइल की सेना (IDF) ने दावा किया है कि दक्षिण लेबनान में किए गए एक हवाई हमले में हिजबुल्लाह के 15 लड़ाके मारे गए हैं।

सेना के अनुसार, दक्षिण लेबनान के पश्चिमी क्षेत्र में 146वीं डिवीजन के सैनिकों ने इन लड़ाकों की पहचान की थी। इसके बाद इजराइली वायुसेना ने हमला कर उन्हें मार गिराया।

भारत बोला- हम ...

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होर्मुज संकट में अब तक 3 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं, ये सभी विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे।

हिजबुल्लाह ने 24...

इजराइल का कहना है कि फिलहाल हिजबुल्लाह को पूरी तरह खत्म करना टारगेट नहीं है। अभी के हमले हिजबुल्लाह को कमजोर कर रहे हैं और आगे चलकर इसे खत्म किया जाएगा।

'खामोश कराया...

सदन में पार्टी के लाए प्रस्ताव पर भी उन्होंने साइन करने से मना कर दिया था। कोई मोदी से डर जाए तो लड़ेगा क्या देश के लिए?

राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है। हालांकि, राघव चड्ढा ने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और AAP को लेकर कोई बयान नहीं दिया। यहां तक कि पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के वक्त वह UK में थे। शराब घोटाला मामले में केजरीवाल के बरी होने पर भी उन्होंने एक शब्द नहीं कहा था

'हमारे यहां सड़कों ...

घुसपैठियों को घुसाकर यहां की डेमोग्राफी को बिगाड़ने का काम किया। असम के लोगों के मकान, जमीन पर जबरन कब्जा कराने का प्रयास किया। एक ओर विकास और विरासत को आगे बढ़ाने के लिए हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में सरकार काम कर रही है। एक-एक घुसैपठियों को चिह्नित कर यहां से बाहर कराने की व्यवस्था भी हो रही है। दूसरी ओर विकास के बड़े-बड़े काम भी असम में देखने को मिल रहे हैं। यह एनडीए का संकल्प है कि असम को लैंड जिहाद और लव जिहाद की धरती नहीं बनने देंगे, यहां घुसपैठ नहीं होने देंगे। कांग्रेस और यूडीएफ की साजिश को सफल नहीं होने देंगे।

योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने तय किया है कि असम को घुसपैठ का हिस्सा नहीं बनने देंगे। घुसपैठियों को निकालकर बाहर करेंगे। कांग्रेस या यूडीएफ के लोगों को जब भी अवसर मिला है, उन्होंने भारत और भारतीयता का लगातार अपमान किया है। यूडीएफ तो असम में घुसपैठ की जननी है, घुसपैठियों को आश्रय देती है। उनके दम पर असम की सरकार में कब्जा करना चाहती है। कांग्रेस उनके साथ मिलकर असम की संस्कृति को नष्ट करना चाहती है। लेकिन, एनडीए की डबल इंजन सरकार असम की सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित और संरक्षित करते हुए एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालने का काम कर रही है।

राजधानी में विस्फोट ...

उनकी जांच की जा रही है।

गिरोह का मुख्य उद्देश्य भारत में डर और अस्थिरता का माहौल पैदा करना था। इसके लिए आरोपी देश के प्रतिष्ठित संस्थानों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, वाहनों और रेलवे सिग्नल बॉक्स की रेकी कर रहे थे। गाजियाबाद, अलीगढ़ और लखनऊ जैसे शहरों में कई जगहों की रेकी की गई थी। पाकिस्तानी हैंडलर्स द्वारा आरोपियों को गूगल लोकेशन भेजी जाती थी, जिसके आधार पर यह लोग मौके की जांच करते थे। पूरी जानकारी वीडियो के रूप में भेजते थे। पूछताछ में यह भी सामने आया कि गिरोह के सदस्य छोटी-छोटी आगजनी की घटनाओं को अंजाम देकर उसका वीडियो बनाते थे। उसे पाकिस्तान में हैंडलर्स को भेजते थे। इन वीडियो के जरिए वे अपने काम का सबूत देते थे। इसके बदले में उन्हें QR कोड के माध्यम से पैसे भेजे जाते थे। इस तरह यह नेटवर्क दहशत फैलाने के साथ-साथ आर्थिक लाभ भी कमा रहा था। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि पाकिस्तानी हैंडलर्स आरोपियों को उकसाने के लिए कट्टरपंथी और आतंकी विचारधारा से जुड़े नामों और संगठनों का इस्तेमाल करते थे। टेलीग्राम और इंस्टाग्राम पर उन्हें ऐसे ग्रुप्स से जोड़ा गया था, जहां धर्म के आधार पर हिंसा और आगजनी के लिए प्रेरित किया जाता था। इनका मकसद समाज में भय, अविश्वास और सांप्रदायिक तनाव पैदा करना था, ताकि देश की आंतरिक शांति और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाया जा सके।

भारत को मिली ...

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केरल के नौसैनिक अड्डे पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। हालांकि इस संबंध में नौसेना या रक्षा मंत्रालय की ओर से फिलहाल आधिकारिक बयान नहीं आया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- यह सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि शक्ति का प्रतीक है-अरिदमन। इसके बाद इसके नौसेना में शामिल होने की जानकारी सामने आई।

INS अरिदमन के शामिल होने से भारत की न्यूक्लियर ट्रायड क्षमता और मजबूत हुई है। न्यूक्लियर ट्रायड का मतलब जमीन, समुद्र और हवा, तीनों माध्यमों से परमाणु हमला करने की क्षमता है।

2016 में INS अरिहंत के शामिल होते ही भारत उन देशों की लिस्ट में शामिल हो गया, जो जमीन, हवा और समुद्र तीनों तरफ से परमाणु हमला कर सकते हैं। इस लिस्ट में अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन भी शामिल हैं।

INS अरिदमन के शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सैन्य ताकत और बढ़ गई है।

■ वरुण ने नीतीश रेड्डी का कैच 39 रन पर छोड़ा।

अभिषेक के हैदराबाद के लिए 100 सिक्स पूरे ■ रहाणे का 200वां आईपीएल मैच

ग्रीन-रघुवंशी के रनआउट से कोलकाता हारा

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए डेविड वॉर्नर ने सबसे ज्यादा 143 सिक्स लगाए हैं। अभिषेक शर्मा 101 सिक्स के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा हेनरिक क्लासन के नाम 89, केन विलियमसन के 64 और ट्रैविस हेड के 50 सिक्स दर्ज हैं।

मुकाबला

कोलकाता, एजेंसी

IPL में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 65 रन से हरा दिया। ईडन गार्डन्स में कोलकाता की हार की बड़ी वजह दो अहम रनआउट रहे। पहले कैमरन ग्रीन और फिर अंगकृष रघुवंशी रनआउट हुए। हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 100 IPL सिक्स पूरे किए।

कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे अपना 200वां IPL मैच खेलने उतरे। वे ऐसा करने वाले 11वें प्लेयर बने। उनसे पहले एमएस धोनी, रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन जैसे भारतीय दिग्गज भी मैचों की डबल सेंचुरी पूरी कर चुके हैं। फिन एलन ने पहले ओवर में 24 रन बनाए। वे IPL की किसी पारी के पहले ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पृथ्वी शॉ के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पहले ओवर में सबसे ज्यादा रन 26 हैं, जो यशस्वी जायसवाल ने बनाए थे। हैदराबाद ने मध्य प्रदेश से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले लेफ्ट आर्म चाइनामैन स्पिनर शिवांग कुमार को डेब्यू कैप सौंपी। 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर वरुण चक्रवर्ती ने कैच छोड़ दिया। कार्तिक त्यागी की फुल टॉस पर नीतीश ने शॉट खेला और गेंद वरुण की ओर गई, जो बाउंड्री पर खड़े थे।

वैभव अरोड़ा को 2 गेंद पर 2 विकेट

19वें ओवर में वैभव अरोड़ा ने 2 विकेट झटक लिए। उन्होंने पहली गेंद पर नीतीश रेड्डी को वरुण चक्रवर्ती के हाथों कैच कराया। रेड्डी ने 39 रन बनाए। अगली ही गेंद पर वैभव ने सलिल अरोड़ा को भी बोल्ड कर दिया। 17.2 ओवर में हेनरिक क्लासन ने रिवर्स स्कूप पर सिक्स लगा दिया। कार्तिक त्यागी ने फुल लेंथ की गेंद डाली। क्लासन ने थर्ड मैन के ऊपर से सिक्स लगा दिया।

वरुण के डाइविंग कैच से अभिषेक आउट

8.4 ओवर में अभिषेक शर्मा आउट हो गए। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 112 किमी/घंटा की धीमी शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद फेंकी। अभिषेक शर्मा ने पुल शॉट खेला। बॉल डीप स्क्वेयर लेग की ओर गई। बाउंड्री पर मौजूद वरुण चक्रवर्ती तेजी से अपने दाईं ओर भागे। नीचे झुककर शानदार डाइव लगाई और कैच लपक लिया। अभिषेक अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और 21 गेंदों पर 48 रन बनाकर आउट हुए।

> **“चौथे ओवर में कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे से ट्रैविस हेड का कैच छूट गया। ओवर की पांचवीं बॉल सुनील नरेन ने गुड लेंथ पर ऑफ स्पिन फेंकी। हेड आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। रहाणे पीछे की ओर दौड़कर गेंद के नीचे आए, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके।**

रिंकू कोलकाता के लिए सबसे ज्यादा फील्ड कैच लेने वाले प्लेयर

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए रिंकू सिंह 41 कैच के साथ सबसे ज्यादा फील्ड कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए। उनके बाद आंद्रे रसेल 40 कैच के साथ दूसरे, सुनील नरेन 36 कैच के साथ तीसरे और मनोज तिवारी 30 कैच के साथ चौथे स्थान पर हैं।

युवराज सिंह ने एमएस धोनी और कपिल देव से मांगी माफी

पिता योगराज के बयानों पर भी खुलकर बोले

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपने पिता योगराज सिंह द्वारा पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव पर समय-समय पर की गई टिप्पणियों पर माफी मांगी है।

यह पहली बार है जब युवराज सिंह ने अपने पिता के बयानों पर खुलकर बात की है। युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह लंबे समय से धोनी पर यह आरोप लगाते रहे हैं कि उन्होंने युवराज को टीम से बाहर कर दिया था। योगराज ने अपने करियर के समय कपिल देव की भूमिका को लेकर भी काफी बयानबाजी की है। हालांकि युवराज ने इन मामलों पर कभी कोई टिप्पणी नहीं की।

एक पॉडकास्ट में युवराज सिंह (Yuvraj Singh Apologise MS Dhoni Kapil Dev) यह कहते दिख रहे हैं कि मैं कपिल देव और एमएस धोनी से माफी मांगना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने डैड (योगराज) से कहा था कि यह बयानबाजी ठीक नहीं हैं। इस पॉडकास्ट में युवराज सिंह विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत से क्रिकेट के मुद्दों पर चर्चा भी करते नजर आएंगे।

युवराज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही भारत ने 2007 में टी-20 विश्व कप और 2011 में वनडे विश्व अपने नाम किया था। हर क्रिकेटर को बचपन से ही खेलना चाहिए। विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय हरफनमौला युवराज सिंह ने गुरुवार को कहा कि क्रिकेटरों को अपने मुख्य पेशे के तनाव से निपटने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए। युवराज क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद शौकिया तौर पर गोल्फ खेलते हैं।

केकेआर के खिलाफ मैच में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन, एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला

अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25% जुर्माना

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा पर IPL मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के खिलाफ गुरुवार को ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में उन्होंने IPL कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया, जिसके चलते उन पर मैच फीस का 25% जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया है। अभिषेक ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। IPL द्वारा जारी बयान के अनुसार, उन्होंने लेवल-1 के अपराध के तहत मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को मंजूर कर लिया है।

IPL के नियमों के अनुसार, लेवल-1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम और बाध्यकारी होता है। इसमें खिलाड़ी के पास अपील करने का विकल्प नहीं होता। अभिषेक ने अपनी गलती मान ली है, इसलिए अब इस मामले में आगे कोई औपचारिक सुनवाई नहीं होगी। अभिषेक शर्मा के खाते में एक डिमेरिट पॉइंट जुड़ने का मतलब है कि उन्हें अब अगले मैचों में सावधान रहना होगा। IPL के नियमों के मुताबिक, यदि कोई खिलाड़ी एक निश्चित समय सीमा के भीतर 4 या उससे अधिक डिमेरिट पॉइंट जमा कर लेता है, तो उस पर एक या अधिक मैचों का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

■ अभिषेक का विकेट लेने के बाद सेलिब्रेट करते ब्लेसिंग मुजरबानी।

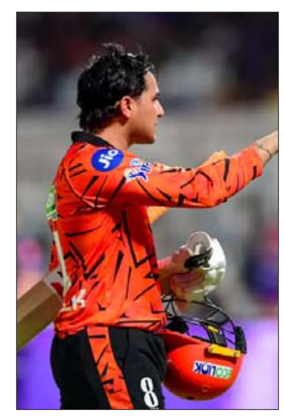

आर्टिकल 2.3 के उल्लंघन के दोषी पाए गए अभिषेक

अभिषेक शर्मा को IPL की आचार संहिता के आर्टिकल 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। यह आर्टिकल आमतौर पर मैच के दौरान 'अनुचित व्यवहार' या खेल भावना के विपरीत कमेंट्स या इशारों से संबंधित होता है।

कैच आउट होने पर नाराजगी जताई

मैच रेफरी ने अभी तक उस घटना का खुलासा नहीं किया है, जिसके कारण यह कार्रवाई की गई। हालांकि, माना जा रहा है कि अभिषेक शर्मा ने कैच आउट होने पर थर्ड अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताई थी।

दरअसल, 8.4 ओवर में अभिषेक शर्मा आउट हो गए। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 112 किमी/घंटा की धीमी शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद फेंकी, जिस पर अभिषेक ने पुल शॉट खेला। गेंद डीप स्क्वेयर लेग की ओर गई, जहां बाउंड्री पर मौजूद वरुण चक्रवर्ती तेजी से अपने दाईं ओर भागे, नीचे झुककर शानदार डाइव लगाई और कैच पकड़ लिया। हालांकि, रिप्ले से कैच पूरी तरह स्पष्ट नहीं लग रहा था, लेकिन तीसरे अंपायर ने अलग-अलग एंगल से जांच करने के बाद अभिषेक को आउट करार दिया। फैसले से असंतुष्ट अभिषेक नाराज होकर मैदान से बाहर जाते नजर आए। अभिषेक अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और 21 गेंदों पर 48 रन बनाकर आउट हुए।

मनोरंजन

अधिकारी ने हनी सिंह के गानों पर चिंता जताई

पुलिस कमिश्नर को लिखा पत्र, गानों से शराब और गन कल्चर को बढ़ावा देने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी

सिंगर हनी सिंह के महाराष्ट्र के पुणे में होने वाले कॉन्सर्ट को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पुणे जिला बाल संरक्षण अधिकारी मंगेश जाधव ने शहर के पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार को पत्र लिखकर हनी सिंह के गानों पर चिंता जताई और आरोप लगाया कि उनके गानों में शराब, ड्रग्स और गन कल्चर को बढ़ावा दिया जाता है।

PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, जाधव ने पुलिस डिपार्टमेंट से हनी सिंह के प्रोग्राम का कंटेंट सामाजिक रूप से जिम्मेदार और बच्चों की सुरक्षा के नियमों के हिसाब से बनाने को कहा है।

यह पत्र गुरुवार को चंडीगढ़ के डॉ. पंडितराव धरेनवर की महाराष्ट्र महिला एवं बाल विकास विभाग में की गई शिकायत के बाद लिखा गया। पत्र में कहा गया कि हनी के गाने, जैसे वन बॉटल डाउन, चार बॉटल वोडका, मनाली ट्रांस, दिस पार्टी गेटिंग हॉट, मखना, गोलियां और मिलियनेयर में आपत्तिजनक कंटेंट है। इसमें उनके लाइव कॉन्सर्ट में 18 साल से कम उम्र के बच्चों की मौजूदगी को लेकर भी चिंता जताई गई।

वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1501 करोड़ हुआ, भारत में नेट कमाई भी 1000 करोड़ के करीब

1500 करोड़ कमाने वाली चौथी फिल्म बनी धुरंधर 2

मुंबई। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 ने भारत में 961 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन कर लिया है। फिल्म अब 1000 करोड़ रुपए नेट क्लब के करीब पहुंच गई है। गुरुवार को फिल्म का 19 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन हुआ।

जियो स्टूडियोज के मुताबिक, भारत में फिल्म का ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 1134 करोड़ रुपए पहुंच चुका है, जबकि ओवरसीज में फिल्म का 367 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ है, जिसके बाद इसका वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 1501 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। बता दें कि ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है।

भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। वहीं, 894.49 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ही यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। विदेशी बाजारों में भी फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपए कमाए। अमेरिका और कनाडा में 193.06 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर बाहुबली 2 का रिकॉर्ड भी तोड़ा। दिलचस्प बात यह थी कि फिल्म को खाड़ी देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद शानदार सफलता मिली। साथ ही यह भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली ‘A’ रेटेड फिल्म बनी।

1500 करोड़ रुपए कमाने वाली चौथी फिल्म बनी

दंगल (2070 करोड़ रुपए), बाहुबली 2 (1788 करोड़ रुपए) और पुष्पा 2 (1742 करोड़ रुपए) के बाद धुरंधर 2 दुनिया भर में 1500 करोड़ रुपए कमाने वाली चौथी भारतीय फिल्म बन गई है। वहीं, दंगल के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली बॉलीवुड की यह दूसरी फिल्म है।

धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए।

बोले- पांच बार और जेल भेज दो, कोर्ट ने अतिरिक्त समय देने से मना किया

चेक बाउंस केस में सुनवाई के दौरान भावुक हुए राजपाल

> **“कोर्ट ने कहा, “आप कह रहे हैं कि आप पेमेंट करना चाहते हैं, लेकिन आपके वकील कह रहे हैं कि जेल जा चुके हैं, इसलिए पेमेंट नहीं करेंगे। अगर आप पेमेंट करना चाहते हैं, तो फिर मामले की सुनवाई क्यों हो रही है। पेमेंट कर दीजिए।”**

■ फिल्म अता पता लापता 2012 में रिलीज हुई थी। इसमें राजपाल यादव ने मुख्य भूमिका भी निभाई थी।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को एक्टर राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में बकाया रकम चुकाने के लिए अतिरिक्त समय देने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस से पेश हुए राजपाल भावुक हो गए।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट ने 6 करोड़ रुपए चुकाने के लिए 30 दिन का समय देने की मांग ठुकराते हुए कहा, “नहीं मतलब नहीं। फैसला सुरक्षित रखा जा रहा है और समय नहीं मिलेगा।”

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि यदि पेमेंट करने की इच्छा है तो देरी क्यों हो रही है। साल 2010 में राजपाल यादव ने फिल्म अता पता लापता बनाने के लिए प्राइवेट कंपनी मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से 5 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। यह फिल्म फ्लॉप रही और राजपाल यादव को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा।

शिकायतकर्ता पक्ष बोला- 7.75 करोड़ अभी भी बाकी

मामले में सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता पक्ष ने कोर्ट में कहा कि सजा पूरी करने से वित्तीय देनदारी खत्म नहीं होती। वकील अवनीत सिंह सिक्का ने दलील दी कि राजपाल यादव 10 करोड़ रुपए का पेमेंट नहीं करने की बात स्वीकार कर चुके हैं।

उन्होंने बताया कि पेमेंट न होने के बाद ही कार्यवाही शुरू की गई। कुल 7.75 करोड़ रुपए अभी भी बकाया हैं, जबकि ट्रायल कोर्ट से पहले करीब 2 करोड़ रुपए जमा किए गए थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने वन-टाइम सेटलमेंट की संभावना भी तलाशी। कोर्ट ने संकेत दिया कि यदि कम समय में 6 करोड़ रुपए दिए जाएं तो विवाद सुलझ सकता है, जिस पर शिकायतकर्ता भी सहमत दिखा। राजपाल यादव ने कहा, “उन्होंने मुझसे 17 करोड़ रुपए ले लिए हैं। मेरे पांच फ्लैट बेचने पड़े हैं। मैं फिर से कोर्ट जाने के लिए तैयार हूं। मैं भावुक नहीं हूं, मुझे पांच बार और जेल भेज दो।” हालांकि, जब उन्होंने रकम जुटाने के लिए 30 दिन का समय मांगा तो कोर्ट ने इनकार कर दिया। समझौता नहीं होने पर हाईकोर्ट ने मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

‘प्लीज ऐसा मत करो’

'रामायण की स्क्रीनिंग यूएस में होने से नाराज थे फैंस, नमित मल्होत्रा ने तुरंत दी सफाई

नई दिल्ली। नितेश तिवारी की रामायण का फर्स्ट लुक टीजर हनुमान जयंती के मौके पर 2 अप्रैल को रिलीज किया गया। मूवी में रणबीर कपूर राम और साईं पल्लवी सीता के रोल में नजर आईं। लेकिन टीजर देखने वाले कुछ लोगों के मन में फिल्म को लेकर नारजगी है। दरअसल मेकर्स ने भारत में टीजर लॉन्च करने से पहले यूएस में इसकी स्क्रीनिंग रखी थी। ऐसे में फैंस को ये बात अच्छी नहीं लगी की भारत की फिल्म होकर इसका टीजर पहले विदेश में क्यों दिखाया गया। क्या मेकर्स सिर्फ पैसा कमाना चाहते हैं?

अब इस मामले में फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने आलोचना का जवाब देते हुए उनके इस कदम को एक व्यापक परिप्रेक्ष्य से देखने के लिए कहा है। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा, “विभाजन न करें। यह बांटने का समय नहीं है। अमेरिका में रहने वाले भारतीय अमेरिका में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए हमें धन्यवाद और सराहना दे रहे हैं, आपको वहां के भारतीय लोगों की भावनाओं को समझना होगा।” टीजर को विदेश में लॉन्च करने के अपने इरादे को समझाते हुए नमित ने कहा कि उनकी फिल्म ग्लोबल ऑडियंस को टारगेट करते हुए बनाई गई है। उन्होंने कहा, “पूरी दुनिया में भारतीय बसे हुए हैं। हमें विभाजन नहीं करना चाहिए।

जंग के बीच ट्रम्प सरकार में उथल-पुथल

24 घंटे में निकाले गए आर्मी चीफ और अटॉर्नी जनरल, काश पटेल-तुलसी गबार्ड को भी हटाने की चर्चा

आदेश

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को हटाए जाने के बाद अब ट्रम्प सरकार में कुछ और बड़े अफसरों को निकाले जाने की आशंका बढ़ गई है। अमेरिकी वेबसाइट द अटलांटिक की रिपोर्ट के मुताबिक अगला नंबर FBI चीफ काश पटेल और नेशनल इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड का हो सकता है।

रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने गुरुवार को आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तुरंत रिटायर होने का आदेश दिया। व्हाइट हाउस के प्लान से जुड़े कई लोगों ने बताया कि और भी अधिकारियों को हटाने पर चर्चा चल रही है। इसमें आर्मी सेक्रेटरी

कैपिटल हिल में एक सुनवाई के दौरान तुलसी गबार्ड और काश पटेल। तस्वीर मार्च 2025 की है।

डेनियल ड्रिस्कॉल और लेबर सेक्रेटरी लोरी चावेज-डीरेमर का नाम भी शामिल है। ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में बड़े अधिकारियों को हटाने से बचते रहे थे। उन्हें लगता था कि ऐसा करना डेमोक्रेट्स और मीडिया के सामने झुकना होगा। पिछले कुछ महीनों तक यह आदेश था कि मिडटर्म चुनाव से पहले किसी कैबिनेट अधिकारी को नहीं हटाया जाएगा, लेकिन ईरान युद्ध के बाद ट्रम्प की लोकप्रियता घटने से स्थिति बदल गई है। अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को भी तुरंत रिटायर होने का आदेश दिया गया है। CNN ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यह आदेश दिया।

पैम बॉन्डी- एपस्टीन फाइल्स की भेंट चढ़ीं

व्हाइट हाउस के एक करीबी ने द अटलांटिक से कहा कि क्रिस्टी नोएम को हटाने पर जो प्रतिक्रिया मिली, उससे ट्रम्प को हिम्मत मिली और उन्होंने बॉन्डी को हटाने का फैसला आगे बढ़ाया।

माना जा रहा है कि पैम बॉन्डी ने एपस्टीन मामले को ठीक से नहीं संभाला। दरअसल, एपस्टीन मामले से जुड़ी सच्चाई सामने लाने की मांग लंबे समय से हो रही थी, खासकर 'क्लाइंट लिस्ट' को लेकर, जिसमें यह बताया जाता है कि किन-किन प्रभावशाली लोगों का उससे संबंध था।

एपस्टीन पर आरोप था कि वह नाबालिग लड़कियों का शोषण करता था और एक बड़ा नेटवर्क चलाता था, जिसमें ताकतवर और अमीर लोग शामिल हो सकते थे। इसी वजह से लोग यह जानना चाहते हैं कि उस नेटवर्क में कौन-कौन शामिल था। इसी दबाव में बॉन्डी ने कुछ लोगों को व्हाइट हाउस बुलाया और उन्हें एपस्टीन फाइल्स फेज 1 नाम का फोल्डर दिया। फोल्डर देने के बाद मामला उल्टा बॉन्डी के लिए परेशानी बन गया। दरअसल उम्मीद थी कि कोई बड़ी जानकारी या खुलासा सामने आएगा। लेकिन जब लोगों ने उन्हें देखा, तो पता चला कि उनमें कोई नई या चौंकाने वाली जानकारी नहीं थी।

ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने से पहले ही साउथ डकोटा की गवर्नर क्रिस्टी नोएम को होमलैंड सिक्योरिटी विभाग का चीफ बनाने के लिए नामित कर दिया था।

क्रिस्टी नोएम- बर्खास्त होने वाली पहली अधिकारी

ईरान से जंग के बीच अमेरिकी सरकार में तेजी से प्रशासनिक बदलाव हो रहे हैं। सबसे पहले होमलैंड सिक्योरिटी चीफ क्रिस्टी नोएम को बेदखल किए जाने से इसकी शुरुआत हुई। उन्हें किस वजह से हटाया गया इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई वजह नहीं बताई गई है।

फ्लाइट में 60% सीटें मुफ्त देने के फैसले पर रोक

सरकार ने 15 दिन में फैसला बदला

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने एयरलाइंस को फ्लाइट में 60% सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के चुनने देने वाले निर्देश को अस्थायी रूप से रोक दिया है। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह नियम 20 अप्रैल से लागू होना था, लेकिन अब इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 15 दिन पहले 18 मार्च को कहा था कि डीजीसीए को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी फ्लाइट में सीट चयन के लिए न्यूनतम 60% सीटें बिना चार्ज उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यात्रियों को सीट चुनने में समान अवसर देना बताया गया था। मंत्रालय के अनुसार, इस मुद्दे की समीक्षा के दौरान फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस की ओर

से आपत्तियां भेजी गईं। इनमें ऑपरेशनल असर, किराए पर प्रभाव और मौजूदा डिरेगुलेटेड टैरिफ व्यवस्था से तालमेल जैसे मुद्दे उठाए गए। मंत्रालय ने कहा कि व्यापक जांच पूरी होने तक 60% सीटें मुफ्त देने का प्रावधान लागू नहीं किया जाएगा। मौजूदा नियमों में पैसेंजर्स के लिए 20% सीटें ही बिना एक्स्ट्रा चार्ज दिए बुक की जा सकती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए भुगतान करना पड़ता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी एयरलाइंस पंसद की सीटें चुनने पर 500 से 3000 रुपए तक एक्स्ट्रा चार्ज करती हैं।

फास्ट न्यूज

म्यांमार की संसद ने सेना प्रमुख मिन आंग को चुना राष्ट्रपति

नई दिल्ली। म्यांमार की संसद ने शुक्रवार को मिन आंग ह्लाइंग को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया। मिन आंग ह्लाइंग एक जनरल हैं, जिन्होंने 2021 में आंग सान सू ची की नागरिक सरकार को सत्ता से हटा दिया था और पिछले पांच सालों से सत्ता पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी थी। इस कदम को भले ही एक चुनी हुई सरकार की नाममात्र की वापसी माना जा रहा हो, लेकिन आम तौर पर इसे सेना को सत्ता में बनाए रखने की एक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

इंडिगो की घरेलू उड़ानें 950, इंटरनेशनल 10,000 तक महंगी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो की फ्लाइट्स गुरुवार से महंगी हो जाएंगी। एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों में अधिकतम 950 तक और इंटर-नेशनल फ्लाइट्स में 10,000 तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाया है। नई कीमतें 2 अप्रैल रात 12:01 बजे से लागू होंगी। इंडिगो ने 18 दिन में दूसरी बार घरेलू और इंटरनेशनल उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का फैसला लिया है। इससे पहले कंपनी ने 14 मार्च को भी किराए में बढ़ोतरी की थी। कंपनी के मुताबिक, यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण लिया गया है।

ओटीपी के बिना हो सकेगा ऑनलाइन पेमेंट

नई दिल्ली। देश के बड़े प्राइवेट बैंक और टेलीकॉम कंपनियां 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' तकनीक पर काम कर रही हैं। इससे ऑनलाइन पेमेंट करने पर वन-टाइम पासवर्ड की जरूरत खत्म हो जाएगी। यह सिस्टम बैकग्राउंड में ही चेक कर लेगा कि बैंक एप में रजिस्टर्ड नंबर और फोन का सिम कार्ड मैच कर रहे हैं या नहीं। अगर सिम और नंबर मैच नहीं हुए, तो ट्रांजैक्शन तुरंत ब्लॉक हो जाएगा। खास बात यह है कि इसमें यूजर को कुछ भी करने की जरूरत नहीं होगी।

हवाई किराया बढ़ाया तो सरकार दखल देगी

एयरलाइंस के साथ जल्द मीटिंग करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी एटीएफ की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बाद कई एयरलाइंस ने फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे यात्रियों पर बढ़ते बोझ को देखते हुए केंद्र सरकार अब इस मामले में हस्तक्षेप करने की तैयारी में है।

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार जल्द ही एयरला-इंस के साथ मीटिंग कर सकती है ताकि आम लोगों को महंगे सफर से राहत मिल सके।

सरकार ने अभी तक कोई लिखित निर्देश तो जारी नहीं किया है, लेकिन एयरलाइंस से उनकी प्राइसिंग स्ट्रैटेजी को लेकर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्री किरायों में बढ़ोतरी न हो। एटीएफ की

कीमतों में हाल ही में सोझ समझकर बढ़ोतरी की गई थी। सरकार ने एविएशन सेक्टर को सपोर्ट देने के लिए कीमतों में कुल 25% की बढ़ोतरी की अनुमति दी थी। हालांकि, आम यात्रियों को राहत देने के लिए घरेलू ऑपरेशंस के लिए प्रभावी बढ़ोतरी को करीब 8.5% तक ही सीमित रखा गया था।

वहीं इंटरनेशनल ऑपरेशंस और चार्टर्ड फ्लाइट्स के लिए एटीएफ के दाम लगभग दोगुने हो गए हैं। यह 96,638.14 रुपए प्रति किलोलीटर से बढ़कर 2,07,341.22 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गया है।

हर पशु पर रोजाना 30 रुपए वसूलेगी सरकार, विपक्ष बोला- यह रेवेन्यू जुटाने का तरीका

पाकिस्तान में गाय-भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगाने की तैयारी

सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है।

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'गोबर टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डेली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है।

सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है। वहीं विपक्षी दलों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना कर इसे 'गोबर टैक्स' का

नाम दिया है। उनका कहना है कि यह कदम दिखाता है कि सरकार आर्थिक दबाव में है और अब नए-नए तरीकों से पैसा जुटाने की कोशिश कर रही है।

विपक्ष ने दावा किया कि 'ग्रीन एनर्जी' का नाम बस दिखावा है। असली कहानी कुछ और है। सरकार का फैसला पहले से महंगाई और महंगे चारे से जूझ रहे किसानों से जबरन पैसा निकालने का तरीका है। अनुमान लगाया जा रहा है कि पूरे साल में यह फीस एक गाय या भैंस पर करीब 11 हजार पाकिस्तानी रुपये तक पहुंच सकता है, जिसका सबसे ज्यादा असर छोटे और मध्यम पशुपालकों पर पड़ेगा।

विपक्ष बोला- सरकार के पास असली कमाई का रास्ता खत्म

विपक्ष का कहना है कि यह शासन का सही मॉडल नहीं है। यह इस बात का साफ इशारा है कि पाकिस्तान के सबसे बड़े राज्य के पास अब कमाई के असली रास्ते ही खत्म हो गए हैं। वहीं, किसानों और पशुपालकों की चिंता अलग है। उनका कहना है कि वे पहले से ही महंगे चारे, बढ़ती बिजली कीमतों और महंगाई से जूझ रहे हैं। ऐसे में यह नया टैक्स उनके खर्च को और बढ़ा देगा। एक पाकिस्तानी इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने कहा, "एक तरफ भ्रष्ट नेता और अफसर लग्जरी गाड़ियां, विदेश यात्राएं और मोटी सैलरी का मजा ले रहे हैं।

गोबर इकट्ठा कर पर्यावरण बचाने का दावा

सरकार ने इस फीस को लागू करने के लिए राज्य की करीब 168 कैटल कॉलोनियों को चिन्हित किया है। इन कॉलोनियों की लगभग 50 लाख गाय-भैंसों पर यह फीस लग सकती है। इस नई योजना के तहत पशुपालकों से हर पशु के हिसाब से रोजाना शुल्क लिया जाएगा। पहले चरण में लाहौर की दो प्रमुख डेयरी कॉलोनियों हरबंसपुरा और गुज्जरपुरा से शुरू होगा। बाद में पूरे पंजाब में फैलाया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस पैसे का इस्तेमाल गोबर इकट्ठा करने, कचरा मैनेजमेंट और बायोगैस प्लांट चलाने में किया जाएगा, ताकि पर्यावरण को भी फायदा हो। इतनी ज्यादा गाय-भैंसों का रोजाना कितना गोबर निकल रहा है, इसे ठीक-ठीक नापना लगभग नामुमकिन है। इसी वजह से सरकार ने प्रति पशु तय दर से फीस वसूली का मॉडल अपनाने का फैसला किया है।

ईरान के पूर्व विदेश मंत्री ने दी सलाह, ईरान को खुद को विजेता घोषित करने की सलाह दी

'ट्रंप से नहीं हो पा रहा खुद ही समाप्त करो युद्ध'

सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। ईरान बनाम अमेरिका-इजरायल कोई भी देश सीजफायर के लिए तैयार नहीं है। अमेरिका-इजरायल ईरान पर तो ईरान इजरायल समेत खाड़ी देशों को लगातार निशाना बना रहा है।

इस बीच ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने ईरानी शासन को सलाह ही है कि ट्रंप से न हो पा रहा है तो आप खुद ही जंग रोक लो और ट्रंप को उन्हीं की भाषा में जवाब दे दो। मोहम्मद जवाद ने कहा कि ईरान को खुद को विजेता घोषित कर लड़ाई रोक देनी चाहिए,

ताकि आगे के टकराव को रोका जा सके। दरअसल, अमेरिका स्थित फॉरेन अफेयर्स में छपी एक लेख के अनुसार, ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ मिडिल ईस्ट में जारी लड़ाई को लेकर कहा कि यह रणनीति न केवल मौजूदा संघर्ष को खत्म कर सकती है, बल्कि क्षेत्र में स्थिरता लाने में भी मददगार हो सकती है। गौरतलब है कि ईरान के पूर्व विदेश मंत्री जावेद जरीफ कई सालों तक ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और दूसरे देशों के साथ बातचीत में ईरान का प्रमुख चेहरा रहे थे। आज ईरान बनाम अमेरिका-इजरायल जंग के 35 दिन हो चुके हैं, इसके बावजूद हमले रूकने के नाम नहीं ले रहे हैं। सीजफायर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के अनेक दावे फेल हो रहे हैं। इस बीच जावेद जरीफ ने ईरानी शासन से खुद को विजेता घोषित कर लड़ाई रोकने की सलाह दी है।

खुद को विजेता घोषित करे ईरान

जावेद जरीफ ने ईरानी शासन से अपील की है कि ईरान को खुद को विजेता घोषित करते हुए डील कर लेना चाहिए और खुद अपनी ओर से सीजफायर का एलान कर देना चाहिए। ईरान का यह फैसला ट्रंप के खिलाफ मास्टरस्ट्रोक साबित हो सकता है। जावेद जरीफ ने एक्स पर लिखा, ₹एक ईरानी के तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की लापरवाह आक्रामकता और भद्दी अपमानजनक बातों से बेहद नाराज हैं, लेकिन साथ ही अपनी सेना और अपने जुझारू लोगों पर गर्व भी करता हूं। मैं 'फॉरेन अफेयर्स' में इस शांति-योजना को प्रकाशित करने को लेकर दुविधा में हूं। फिर भी, मुझे पूरा यकीन है कि युद्ध का अंत ऐसी शर्तों पर ही होना चाहिए जो ईरान के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हों।

इजरायल-कुवैत की तेल रिफाइनरी में धमाके के बाद लगी भीषण आग

ट्रंप की धमकी के बाद ईरान के हमले तेज

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी लड़ाई खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिका द्वारा ईरान के सबसे ऊंचे ब्रिज पर किए हमले के बाद तेहरान पूरी तरह भड़का हुआ है। उसने खाड़ी देशों के 8 पुलों पर हमले की चेतावनी दी है। वहीं अब ईरान ने कुवैत की मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर ड्रोन से हमला किया है। ईरान द्वारा किए गए इस हमले के कारण रिफाइनरी की कई यूनिट्स में आग लग गई है, मौके पर इमरजेंसी टीम आग बुझाने में जुटी गई है। इस हमले में भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। कुवैत की राष्ट्रीय तेल कंपनी कुवैत पेट्रोलियम कॉरपो-रेशन (KPC) के अनुसार, मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर शुक्रवार सुबह-सुबह ड्रोन से हमला किया गया। हमले के बाद रिफाइनरी की कई ऑपरेशनल यूनिट्स में आग लग गई। सरकारी न्यूज एजेंसी के

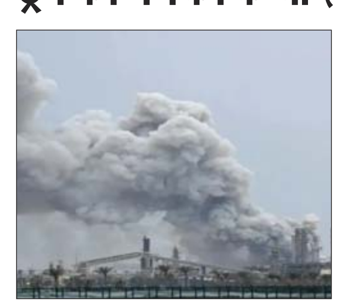

अनुसार, ईरान द्वारा किए इस हमले के बाद फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी रिस्पांस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को कंट्रोल करने के लिए सभी जरूरी सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं। गौरतलब है कि यह रिफाइनरी कुवैत के सबसे बड़े तेल प्रोसेसिंग केंद्रों में से एक मानी जाती है, जहां बड़े पैमाने पर कच्चे तेल को प्रोसेस किया जाता है। ईरान द्वारा किए गए इस हमले ने न सिर्फ स्थानीय उत्पादन बल्कि अंतराष्ट्रीय ऑयल सप्लाई चेन पर भी असर पड़ सकता है। यह हमला ट्रंप की नई धमकियों के बाद की गई है। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ईरान के पांच ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट किया गया है। पहले चार ड्रोन को रोकने की पुष्टि की गई थी, इसके बाद रात में एक और ड्रोन को मार गिराया गया था।

इजरायल में तेल अवीवी के लोगों को हमले के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। तेल अवीव में सायरन बज रहे हैं। शुक्रवार को इजरायल की सेना ने चेतावनी दी कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ईरान से दागी गई मिसाइलों को गिराने के लिए सक्रिय है।

वृद्धि : आईएनएस तारागिरी और आईएनएस अरिदमन नौसेना में शामिल

समुद्र में बढ़ी भारत की ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी

आईएनएस तारागिरी और INS अरिदमन आज भारतीय नौसेना में शामिल हो गए है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम में परमाणु पनडुब्बी INS अरिदमन और स्टील्थ फ्रिगेट INS तारागिरी को राष्ट्र को समर्पित किया।

विशाखापत्तनम में आयोजित इस गरिमामय समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी और सीडीएस जनरल अनिल चौहान सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यह दोनों युद्धपोत भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 17A के तहत एक उन्नत स्टेल्थ फ्रिगेट हैं। INS अरिदमन जहां समंदर की गहराई में छिपकर दुश्मन को तबाह करने की

तारागिरी उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट, अरिदमन परमाणु पनडुब्बी भारत की समुद्री सुरक्षा और शक्ति में वृद्धि

क्षमता रखती है, तो INS तारागिरी सतह पर तेज रफ्तार और आधुनिक हथियारों के साथ दुश्मनों पर हमले करने के लिए तैयार है। दरअसल, INS तारागिरी को ऐसे समय में नौसेना में शामिल किया गया है, जब भारत के पूर्वी समुद्री तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व लगातार बढ़ रहा है। इसकी मुख्य वजह क्षेत्रीय सुरक्षा के बदलते समीकरण और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती भागीदारी है। NS तारागिरी में ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल, MF-STAR रडार, MRSAM एयर-डिफेंस सिस्टम, 30mm और 12.7mm क्लोज-इन वेपन सिस्टम लगे हुए हैं। यही नहीं इसमें पनडुब्बी रोधी (ASW) ऑपरेशन के लिए रॉकेट और टॉरपीडो भी लगाए गए हैं, जिसके कारण यह और अधिक शक्तिशाली हो जाता है। INS अरिदमन भारत की एडवांस न्यूक्लियर-पावर्ड बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (SSBN) है। अरिदमन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें 8 वर्टिकल लॉन्च ट्यूब हैं, जो लंबी दूरी की K-4 मिसाइल या अधिक संख्या में K-15 मिसाइल ले जा सकती हैं। यह पनडुब्बी समुद्र की गहराई में छिपकर किसी भी वक्त दुश्मन पर जवाबी परमाणु हमला करने में सक्षम है।

आईएनएस तारागिरी की खासियत

प्रोजेक्ट 17A के तहत निर्मित यह चौथा शक्तिशाली युद्धपोत है। से पूरी तरह भारत में तैयार किया गया है। 6,670 टन वजनी यह युद्धपोत न केवल 'मेक इन इंडिया' की सफलता की कहानी कहता है, बल्कि यह हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की अत्याधुनिक इंजीनियरिंग क्षमताओं को दर्शाता है।

अत्याधुनिक हथियारों और रडार से बचने की अपनी 'स्टेल्थ' क्षमता के कारण INS तारागिरी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत का अभेद्य कवच साबित होगा। तारागिरी बहुत अधिक पावरफुल और घातक है। यह शक्तिशालि हथियार और सेंसर से लैस हैं।

अमेरिका के दबाव के बीच क्यूबा ने 2,010 कैदियों को दी माफी

नई दिल्ली, एजेंसी

क्यूबा ने गुरुवार को कहा कि उसने 2,010 कैदियों को माफ कर दिया है। यह ऐसे समय में हुआ है, जब ट्रंप प्रशासन का उस पर काफी दबाव है। क्यूबा की सरकार ने कहा कि ये माफी पवित्र सप्ताह के अवसर पर एक मानवीय कदम था। उसने अमेरिका के बढ़ते दबावों का कोई जिक्र नहीं किया। सरकार ने कहा कि उसने विदेशियों और क्यूबा के नागरिकों को रिहा कर दिया है, जिनमें महिलाएं, बुजुर्ग और युवा शामिल हैं। क्यूबा के अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि किसे रिहा किया गया और किन शर्तों पर, और न ही उन अपराधों का जिक्र किया जिनका उन पर आरोप था। अधिकारियों ने इस बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी कि जिन लोगों को माफी दी गई है, उनमें से कोई ऐसे प्रदर्शनकारी भी शामिल थे या नहीं, जिन्हें आतंकवाद, अवमानना या सार्वजनिक अव्यवस्था के लिए दोषी ठहराकर सजा सुनाई गई थी। क्यूबा की सरकार राजनीतिक कैदियों को मान्यता नहीं देती है, लेकिन प्रिजनर्स डिफेंडेड नामक कार्यकर्ता समूह ने कहा है कि क्यूबा में राजनीतिक कारणों से जेल में 1,214 लोग बंद हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96